नए भारत का आधुनिक बजट

भरत सिंह चौहान
संपादक

नए भारत का आधुनिक बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने किसानों से लेकर टैक्स पेयर्स तक के लिए कई ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और केंद्र सरकार का कर्ज घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 48.7 प्रतिशत पर आ गया है। यह मार्च, 2014 में 52.2 प्रतिशत था। मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आर्थिक विकास दर 10 फीसदी रहने का अनुमान जताया, वहीं टैक्स स्लैब में बड़ा बदलाव किया। इसके अलावा किसानों के लिए कई ऐलान भी किया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए कर कानूनों को सरल बनाने के लिए नयी वैकल्पिक व्यक्तिगत आयकर व्यवस्था पेश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नई सरलीकृत आयकर व्यवस्था में पांच लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लगेगा। साथ ही ढाई लाख रुपये तक की आय कर मुक्त बनी रहेगी। ढाई लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक की आय पर पांच प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा, लेकिन छूट के बाद पांच लाख रुपये तक की आय पर कर नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि नई आयकर व्यवस्था वैकल्पिक होगी, करदाताओं को पुरानी व्यवस्था या नई व्यवस्था में से चुनने का विकल्प होगा।

आम बजट 2020 में एक ऐसे आधुनिक भारत के निर्माण का स्वप्न झलकता है, जो दुनिया में विकसित हो रही नवीनतम तकनीक को हर स्तर पर अपनाने में सक्षम हो। आज विज्ञान और टेक्नॉलजी के निरंतर विकास के जरिए अनेक देशों ने अभूतपूर्व तरक्की की है। वहां के नागरिकों के जीवन में काफी बदलाव आया है।

भारत में भी जीवन के हर स्तर पर नई तकनीक, नए तरीकों को अपनाने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इसलिए इस बजट में तकनीक पर खास तौर से फोकस किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस संबंध में कई बड़े ऐलान किए हैं। जैसे सरकार अगले 5 सालों में क्वॉन्टम ऐप्लिकेशन पर 8 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। गौरतलब है कि क्वॉन्टम कंप्यूटिंग ऐसी टेक्नॉलोजी है, जिसकी मदद से बड़े डेटा और इन्फॉर्मेशन को बहुत कम वक्त में प्रोसेस किया जा सकता है। इस नए प्रोसेसर की मदद से नई दवाओं की खोज से लेकर शहरों का मैनेजमेंट और ट्रांसपोर्ट जैसे काम आसान हो जाएंगे। सरकार ने पूरे देश में डेटा सेंटर पार्क बनाने का फैसला किया है। आंगनबाड़ी, पुलिस स्टेशन से लेकर बड़े-बड़े दफ्तरों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। एक लाख ग्राम पंचायतों को हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ने की योजना है। जाहिर है, इससे ग्रामीण भारत का डिजिटलाइजेशन हो सकेगा। इसका गांव के लोगों खासकर युवाओं को काफी लाभ मिलेगा।

सरकार का लक्ष्य है कि किसान खेती के पारंपरिक तरीकों से बाहर निकलें और कृषि कार्य में भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें। बजट में कुसुम योजना को जारी रखने का फैसला किया गया है। इसके जरिए किसानों को अपनी जमीन में सौर ऊर्जा उपकरण और पंप लगाकर सिंचाई करने की सुविधा मिलेगी। इसकी मदद से किसान अपनी भूमि पर सोलर पैनल लगाकर इससे बनने वाली बिजली का उपयोग खेती के लिए कर सकते हैं। उनकी जमीन पर बनने वाली बिजली से देश के गांवों में बिजली की अबाध आपूर्ति शुरू की जा सकती है।

आम बजट 2020 में एक ऐसे आधुनिक भारत के निर्माण का स्वप्न झलकता है, जो दुनिया में विकसित हो रही नवीनतम तकनीक को हर स्तर पर अपनाने में सक्षम हो। आज विज्ञान और टेक्नॉलजी के निरंतर विकास के जरिए अनेक देशों ने अभूतपूर्व तरक्की की है। वहां के नागरिकों के जीवन में काफी बदलाव आया है। भारत में भी जीवन के हर स्तर पर नई तकनीक, नए तरीकों को अपनाने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 05, अंक 12, फरवरी 2020,
मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
कार्यकारी संपादक	राजानल शर्मा
सहायक संपादक	धीरेंद्र सिंह दांगी
उपसंपादक	अरविंद सिंह नरवरिया
	अर्पित गुप्ता
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
	विपिन तोमर,
	शशिभूषण चौहान (मप्र)
मार्केटिंग हैड	रजनी तोमर
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
ऑल इंडिया रिपोर्टर	अन्जू भरमोरिया
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक
मप्र ब्यूरो चीफ	पंकज त्रिपाठी

ब्यूरो प्रमुख

नरेन्द्र शर्मा	:	हरियाणा
तुलसीराम प्रजापति	:	छत्तीसगढ़
संदीप प्रधान	:	ग्वालियर संभाग
राजा दुबे	:	सीहोर
केवल राम मालवीय	:	इंदौर
सोनू कुमार माथुर	:	एटा, (उत्तर प्रदेश)
प्रवेन्द्र सिंह	:	आगरा (उत्तर प्रदेश)
अरूण कुमार साहू	:	सतना
मंगल सिंह परमार	:	धौलपुर राजस्थान)
केशव प्रसाद शर्मा	:	मुरैना
सादिक मिर्जा	:	खरगौन
मोहन मांझी	:	गोहद
अमित शर्मा	:	ग्वालियर
सुरजीत राजावत	:	ग्वालियर
आदित्य सिंह		पोरसा

कार्यालय

ए-ब्लॉक 404 भाऊसाहब पोतनीस, इन्क्लेव, मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

संपर्क: 8269307478, 7999246560

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में मध्यप्रदेश की राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2020 विजेता सुश्री रिया जैन और सुश्री सुदीप्ति हजेला को सम्मानित किया।

इस अंक में

राम मंदिर की ओर... 06

मोदी की हुंकार.... 09

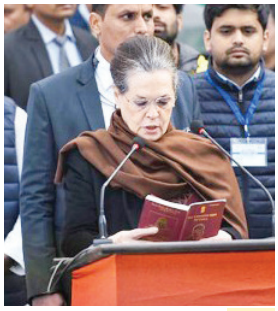

विपक्षी दलों की बैठक में.... 11

नारी उत्थान के बिना.... 14

दिल जोड़ने की... 16

मप्र में होगा आईफा.... 40

शुद्ध के लिए युद्ध.... 31

मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने... 16

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस-निम्बालकर का बाड़ा, तेली की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर जिला ग्वालियर म.प्र .से मुद्रित तथा, दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार दूरभाष : 8269307478 Mail: pushpanjalitoday@gmail.com Web. www.pushpanjalitoday.com

यूनियन बजट 2020 : निर्मला ने किया बड़े टैक्स सुधार की घोषणा, कई स्लैब बदले

आम बजट : मोदी सरकार ने रखा सभी का ख्याल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आम बजट 2020 पेश किया। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने किसानों से लेकर टैक्स पेयर्स तक के लिए कई ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और केंद्र सरकार का कर्ज घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 48.7 प्रतिशत पर आ गया है। यह मार्च, 2014 में 52.2 प्रतिशत था। मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आर्थिक विकास दर 10 फीसदी रहने का अनुमान जताया, वहीं टैक्स स्लैब में बड़ा बदलाव किया। इसके अलावा किसानों के लिए कई ऐलान भी किया गया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना दूसरा आम बजट किया वित्त मंत्री अपने बजट में गांव, गरीब और किसानों के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। साथ ही वित्त मंत्री ने नौकरीपेशा वालों को भी खुशखबरी दी है। निर्मला ने टैक्स स्लैब बदलते हुए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए कर कानूनों को सरल बनाने के लिए नयी वैकल्पिक व्यक्तिगत आयकर व्यवस्था पेश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नई सरलीकृत आयकर व्यवस्था में पांच लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लगेगा। साथ ही ढाई लाख रुपये तक की आय कर मुक्त बनी रहेगी। ढाई लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक की आय पर पांच प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा, लेकिन छूट के बाद पांच लाख रुपये तक की आय पर कर नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि नई आयकर व्यवस्था वैकल्पिक होगी, करदाताओं को पुरानी व्यवस्था या नई व्यवस्था में से चुनने का विकल्प होगा।

इनकम टैक्स स्लैब्स में बड़ा बदलाव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्ती के दौर में लोगों को खर्च करने को उत्साहित करने के लिए टैक्स स्लैब्स में कई बदलाव किए हैं। 5-7.5 लाख तक कमाई वाले लोगों को अब 10 फीसदी देना होगा टैक्स। 7.5 से 10 लाख तक जिनकी आमदनी है, उन्हें सिर्फ 15 प्रतिशत टैक्स देना होगा। 10-12.5 लाख कमाई वालों को अब 20 प्रतिशत ही टैक्स देना पड़ेगा। 12 से 15 लाख तक कमाई वालों को 25 प्रतिश त देना पड़ेगा टैक्स। 15 लाख से ज्यादा कमाई वालों को 30 प्रतिशत से ज्यादा टैक्स लगेगा। 5 लाख तक कमाई वालों को कोई टैक्स नहीं देना होगा।

नौकरियों के लिए राजस्व का मोह छोड़ा

वित्त मंत्री ने कहा कि कारपोरेट कंपनियों के लिए टैक्स 15 फीसदी कर दिया गया है।

इस कारण हमें बड़े पैमाने पर राजस्व का नुकसान हुआ है। हमें भरोसा है कि इससे नई नौकरियां मिलेगी। टैक्स का कलेक्शन कई गुना ज्यादा फायदा के साथ लोगों तक ही पहुंचता है।

2020-21 में 10 फीसदी ग्रोथ

-2019-20 में कुल खर्च 26.99 लाख करोड़ हुए। 2020-21 में नॉमिनल ग्रोथ 10 फीसदी रह सकती है, मौजूदा ट्रेंड के अनुसार। अगले साल 22.24 लाख करोड़ रुपए की प्राप्ति का अनुमान, कुल खर्च 30 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग ने 2020-21 को लेकर अपनी पहली रिपोर्ट दी है। हमने इस आयोग की सलाह को स्वीकार किया है। 2020-21 से लेकर इसे अगले 5 साल के लिए लागू किया जाएगा।

बैंक डूबा तो भी मिलेगा चार गुना

वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों में जमाकर्ताओं के पैसे पूरी तरह सुरक्षित। जमाकर्ता की इंश्योर्ड राशि 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख किया जाने का प्रस्ताव। यानी बैंक डूबा तो 5 लाख तक के डिपॉजिट वापस मिलेंगे। 10 राष्ट्रीय बैंको को 4 बैंकों में बदल रहे हैं। इन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने की कोशिश होगी। ये शेयर बाजार से अतिरिक्त पूंजी जुटा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए बजट

निर्मला ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए अलग आवंटन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 30,757 करोड़ रुपये जम्मू-कश्मीर के लिए प्रस्तावित किया जाता है। लद्दाख के लिए 5958 करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया जाता है। जी 20 का आयोजन 2020 में भारत की मेजबानी में होगा। इस दौरान भारत वैश्विक आर्थिक अजेंडा पर अपनी बात रखेगा। इसके लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया जा रहा है।

प्रदूषण से बचने के लिए भी पैसे

वित्त मंत्री ने प्रदूषण से बचने और साफ हवा के लिए 2020-21 में 4,400 करोड़ आवंटित करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदूषित शहरों की हवा साफ करने में मदद मिलेगी।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का बड़ा फायदा

वित्त मंत्री ने कहा कि देश मे हाथ से सीवर साफ करने का काम खत्म होगा। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नतीजे शानदार रहे हैं। 2020-21 में 85 हजार करोड़ रुपये अनुसूचित जाति और ओबीसी के लिए का प्रस्ताव। अनुसूचित जनजाति के लिए 53 हजार 700 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव। दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए 9,500 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है।

घरों में लगेंगे स्मार्ट बिजली मीटर

निर्मला ने ऐलान किया कि घरों में लगेंगे स्मार्ट मीटर, बिजली कंपनी चुनने की होगी आजादी। मैं सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से पुराने मीटर बदलकर प्रीपेड स्मार्ट मीटर अगले 3 साल में लगवाने का आग्रह करती हूं। कंज्यूमर इसके जरिए अपनी सुविधा के हिसाब से कंपनी और रेट चुन सकते हैं। यह सबको बिजली देने की दिशा में अहम कदम है। डिस्कॉम में बदलाव के लिए 22,000 करोड़ रुपये पावर और अक्षय ऊर्जा के लिए प्रस्तावित किए जा रहे हैं।

इंफ्रा पर खर्च होंगे 100 लाख करोड़

पीएम कह चुके हैं कि इन्फास्ट्रक्चर पर अगले पांच साल में 100 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। हाउसिंग, स्वच्छ पानी, हेल्थकेयर, शिक्षण संस्थान, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, वेयरहाउसिंग, सिंचाई जैसे क्षेत्रों में निवेश होगा।

कुछ अन्य ऐलान

भारत में घरेलू निर्माण को आगे बढ़ाने की जरूरत है। घरेलू मैनुफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने के लिए विशेष सहायता दी जाएगी। 5 नई स्मार्ट सिटी का निर्माण किया जाएगा। इसे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र मिलकर बनाएंगे।

शिक्षा और कौशल विकास के लिए पैसे

99,300 करोड़ रुपये शिक्षा क्षेत्र को दिए जाने का प्रस्ताव है। इसमें 3000 करोड़ रुपये कौशल विकास के लिए दिए गए हैं। 2030 तक कामकाजी उम्र के हिसाब से भारत सबसे बड़ा देश होगा। नई शिक्षा नीति की घोषणा जल्द होगी। 150 उच्च शिक्षण संस्थान मार्च 2021 तक शुरू हो जाएंगे। इसमें स्किल्ड प्रशिक्षण दिया जाएगा। गरीब छात्रों के लिए डिग्री स्तर का ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। वे संस्थान ही यह कार्यक्रम दे पाएंगे जो शीर्ष 100 में शामिल हैं।

किसान और गांव

सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध। 6.11 करोड़ किसानों पर फोकस किया।

पानी की किल्लत से जूझ रहे 100 जिलों पर फोकस करेंगे। 2.83 लाख करोड़ रुपए कृषि से जुड़ी गतिविधियों, सिंचाई और ग्रामीण विकास पर खर्च किए जाएंगे।' 20 लाख किसानों को सोलर पंप लगाने में सरकार मदद करेगी। हम 15 लाख अन्य किसानों को ग्रिड कनेक्टेड पंप देंगे। सोलर पावर जनरेशन भी बढ़ाएंगे। भारतीय रेल किसान रेल बनाएगी। वे ट्रेनों में

स्टोरेज की व्यवस्था करेंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय कृषि उड़ान की शुरुआत करेगा। इससे नॉर्थईस्ट-आदिवासी इलाकों से कृषि उपज को बढ़ावा मिलेगा। देश में 162 मीट्रिक टन कोल्ड स्टोरेज की क्षमता है। ब्लॉक-तालुका स्तर पर वेयरहाउस को बढ़ावा देंगे। फूड कॉर्पोरेशन और सेंट्रल वेयरहाउस कॉर्पोरेशन अपनी जमीन पर भी कोल्ड स्टोरेज बनाएंगे।

महिला और पोषण

शादी की उम्र- 1978 में शारदा एक्ट (1929) को संशोधित कर महिलाओं की शादी की उम्र 15 से बढ़ाकर 18 की गई थी। भारत आगे बढ़ रहा है, महिलाओं के लिए करियर और हाई एजुकेशन में रास्ते खुल रहे हैं। इस संबंध में यह देखना जरूरी है कि महिलाओं की शादी की उम्र क्या हो। इसके लिए एक टास्क फोर्स के गठन का प्रस्ताव है, जो 6 महीनों में अपनी सिफारिश देगी।

पोषण- पोषण से जुड़े कार्यक्रमों के लिए 35,600 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा केवल महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों के लिए 28,600 करोड़ रुपए का बजट अलॉट किया गया है।

स्वास्थ्य-स्वच्छ भारत

हेल्थ सेक्टर के लिए 69 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। मिशन इंद्रधनुष, फिट इंडिया मूवमेंट, सुरक्षित पेजयल के लिए जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं हैं। अभी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 20 हजार अस्पताल हैं। आयुष्मान भारत के लिए और अस्पतालों की जरूरत है। अस्पतालों को पीपीपी मोड से बनाया जाएगा। जिन जिलों में गुंजाइश है, ऐसी 112 जिलों में आयुष्मान भारत को तरजीह दी जाएगी।

टीबी हारेगा, देश जीतेगा कैम्पेन जारी है। 2025 तक टीबी खत्म करने का लक्ष्य है। जन औषधि केंद्रों को 2024 तक हर जिले में शुरू किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन के लिए 12,300 करोड़ रुपए रखे गए हैं। जल जीवन मिशन के लिए 3.6 लाख करोड़ रुपए इसके लिए रखे गए हैं। इस स्कीम के तहत स्थानीय स्तर पर जल संसाधनों पर काम होगा। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों पर इसमें फोकस रहेगा।

रेलवे

पीपीपी मॉडल के आधार पर 150 और ट्रेनें चलेंगी, निजी क्षेत्र की मदद से 4 स्टेशनों का रीडेवलपमेंट होगा। पर्यटन स्थलों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए तेजस जैसी और ट्रेनों की शुरुआत होगी। अभी आईआरसीटी 2 तेजस ट्रेनों का संचालन कर रहा है। रेलवे की खाली जमीन और ट्रैक के आसपास ज्यादा क्षमता वाले सोलर पैनल लगेंगे। इससे खर्च कम होगा। 2030 तक रेलवे के पास पूरी तरह सोलर पावर होगा। दूध और मछली जैसी जल्दी खराब होने वाली चीजों के लिए पीपीपी मोड पर किसान रेल चलाने की योजना। इसके कोच रिफ्रिजरेटेड होंगे। मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किमी दूरी में हाईस्पीड ट्रेन (बुलेट ट्रेन) प्रोजेक्ट को 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बजट में कृषि, ग्रामीण विकास पर खर्च किए जाएंगे 2.83 लाख करोड़ रुपयेः नरेंद्र सिंह तोमर

कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बजट 2020 की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि अगले वित्त वर्ष में कृषि तथा सिंचाई सहित संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये और ग्रामीण विकास के लिए 1.23 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अपने एक बयान में कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को

साकार करने के लिए 16-सूत्रीय कार्य योजना बनाई गई है। पीएम-किसान जैसी कई योजनाओं को लागू किया जा रहा है, जिससे कृषक समुदाय को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार का मुख्य रूप से ध्यान गाँव, गरीब और किसान पर है और बजट में इस खंड को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान केन्द्रित है जो सबका साथ, सबका विकास की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।'' उन्होंने कहा कि बजट में महिलाओं और मध्यम वर्ग के लोगों को राहत देने के प्रस्ताव किये गये हैं जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और स्वच्छ जल से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि देश के करोड़ों किसानों के हितों के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है और वित्तीय वर्ष 2020-21 के बजट में भी ज्यादा प्रावधान कर धनराशि रखी गई है। अन्नदाता किसानों को ऊर्जादाता बनाने की दिशा में बंजर जमीनों पर सौर ऊर्जा के प्लांट लगाने के साथ ही पंप सेट को सौर ऊर्जा से जोड़ने पर और भी काम केंद्र सरकार करेगी। इसके लिए 20 लाख किसानों को सोलर पंप लगाने में सरकार मदद करेगी। सरकार 15 लाख अन्य किसानों को ग्रिड कनेक्टेड पंप देगी।

राम मंदिर ट्रस्ट के गठन की घोषणा

राम मंदिर की ओर

“अयोध्या में राम मंदिर बनाने को लेकर केंद्र सरकार ने एक बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राम मंदिर ट्रस्ट के गठन को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में यह जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट का नाम ‘श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र’ रखा गया है। विवादमुक्त हुई जगह समेत अयोध्या में सरकार द्वारा अधिगृहीत 67 एकड़ जमीन इस ट्रस्ट को दे दी जाएगी।

अयोध्या में राम मंदिर बनाने के मामले पर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक मोदी कैबिनेट ने राम मंदिर ट्रस्ट बनाने को मंजूरी दे दी है। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर ट्रस्ट बनाने की जानकारी दी है। इस ट्रस्ट का नाम ‘श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र’ रखा गया है। इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को अयोध्या जिले में पांच एकड़ जमीन आवंटित कर दी है जो राम जन्म भूमि से 29 किलोमीटर दूर है। पीएम ने कहा कि राम मंदिर के लिए वृहद योजना बनाई गई है। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए सरकार द्वारा स्थापित ट्रस्ट ‘श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र’ में 15 सदस्य होंगे, जिसमें एक दलित समुदाय के होंगे सदस्य भी शामिल होंगे। वहीं, केंद्र सरकार के मुताबिक ट्रस्ट का कार्यालय क्र-20, ग्रेटर कैलाश पार्ट -1, नई दिल्ली 110048 में होगा। अब सरकार ने कोर्ट के आदेश की तामील कर दी है और मंदिर बनाने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि कुछ उलझनें अब भी सुलझनी बाकी हैं। सरकार ने ट्रस्ट के सदस्यों का नाम अभी नहीं बताया है लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि उसने सोच-समझकर ही इसमें लोगों को रखा होगा। दरअसल, अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के तत्काल बाद जिस तरह वहां के प्रमुख साधु-संतों में टकराव हुआ, जिस तरीके से कई गुटों ने अपनी-अपनी दावेदारी पेश की और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला, उससे ऐसा लगता है कि मंदिर के साथ अनेक पक्षों की आशाएं जुड़ी हैं और वे ट्रस्ट में अपनी अधिक से अधिक हिस्सेदारी चाहते हैं। देखना यह है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में इन दावेदारियों के बीच कितना संतुलन बन पाया है।

अरविंद सिंह नरवरिया
उपसंपादक

पांच सदी पुराना है मामला

अयोध्या मंदिर विवाद पांच सदी से चला आ रहा है। ऐसा माना जाता है कि मुगल बादशाह बाबर ने मंदिर को ध्वस्त करवाकर मीर बांकी की अगुवाई में मस्जिद का निर्माण करवाया था और यह विवाद आजादी के बाद से बीते साल सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए ऐतिहासिक फैसले तक बना रहा। 25 सितंबर 1990 को भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी ने गुजरात के सोमनाथ से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली थी ताकि एक समुदाय को इस महत्वपूर्ण मुद्दे से अवगत कराया जा सके। हजारों कार सेवक अयोध्या में जमा हुए। जिसके बाद 23 अक्टूबर को बिहार में लालू यादव ने आडवाणी की रथ यात्रा रुकवा कर उन्हें गिरफ्तार करवा दिया था। उसके बाद 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद ढ़ाह दिया गया जिसके बाद देश में दंगे शुरू हो गए। इस दंगे में करीब 2000 लोगों के मारे गए थे।

कांग्रेस के रास्ते चलता तो कभी 370-राम मंदिर-तीन तलाक का मसला नहीं सुलझताः मोदी

अन्जू भरमोरिया

बजट सत्र के छठे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर भाषण देते हुए कहा, राष्ट्रपति ने न्यू इंडिया के लिए विजन पर प्रकाश डाला है। उनका संबोधन ऐसे समय आया जब हम सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते चुके हैं। उनका अभिभाषण आशा की भावना पैदा करता है और भविष्य में देश को आगे ले जाने के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत करता है। वहीं, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा में पीएम के आते ही महात्मा गांधी के घर चलो के नारे लगाते हुए विरोध जताया जिसके बाद पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा, आपके लिए महात्मा गांधी ट्रेलर हो सकते हैं, पर हमारे लिए गाँधी जी जिंदगी है। बता दें कि इसके बाद पीएम मोदी राज्यसभा में भाषण देंगे।

पीएम ने लोकसभा में राहुल गांधी के दिए एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा, मैंने कांग्रेस के एक नेता का कल वक्तव्य सुना कि 6 महीने में मोदी को डंडे मारेंगे। ये काम थोड़ा कठिन है क्योंकि तैयारी में ही 6 महीने लगते हैं। अब मैंने भी तय किया है कि 6 महीने में सूर्य नमस्कार की संख्या बढ़ा दूंगा। ताकि 6 महीने के बाद मेरी पीठ को हर डंडा सहने की ताकत मिले।

'केवल सरकार नहीं सरोकार भी बदला'

पीएम मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव में कहा, भारत के नागरिकों ने न केवल सरकार को बदल दिया है। वे चाहते हैं कि सरोकार को भी बदल दिया जाए। आगे कहा, अगर हमने पुराने तरीकों और विचारों के अनुसार काम किया होता तो अनुच्छेद 370 को कभी भी निरस्त नहीं किया जाता। साथ ही मुस्लिम महिलाएं तीन तालक के कारण पीड़ित बनी रहतीं। अगर हम पुराने तरीकों के अनुसार काम करते तो राम जन्मभूमि का मुद्दा अनसुलझा बना रहता। करतारपुर साहिब कॉरिडोर नहीं बन पाता। भारत-बांग्लादेश भूमि समझौता नहीं होता। कांग्रेस के समय में सिर्फ कागज पर समझौते करके वाहवाही बटोरी।

'देश नहीं कर सकता इंतजार'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब समस्याओं के सुलझने का इंतजार नहीं कर सकता। और, ठीक ही तो है। इसीलिए हमारा लक्ष्य गति और पैमाना, दृढ़ संकल्प और निर्णायकता, संवेदनशीलता और समाधान करना है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कई संगठन के लोगों ने अपने हथियार छोड़े हैं। हमने वोडो समस्या के समाधान पर समझौता किया है।

'पीएम किसान योजना का लाभ'

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति से प्रेरित, कुछ राज्य किसानों को 'पीएम-किसान योजना' से लाभान्वित नहीं होने दे रहे हैं। मैं उनसे अपील करना चाहता हूं कि कृपया कृषक कल्याण में कोई राजनीति न करें। भारत के किसानों की समृद्धि के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कारण किसानों ने एक विश्वास पैदा हुआ है। किसानों की तरफ से करीब 13 हजार करोड़ रूपए का प्रिमियम आया, लेकिन प्राकृतिक आपदा के कारण जो नुकसान हुआ उसके लिए उन्हें करीब 56 हजार करोड़ रूपए इस बीमा योजना से प्राप्त हुए।

कैबिनेट ने तैयार की विस्तृत योजना

पीएम ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, कैबिनेट ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। कोर्ट के निर्देशानुसार 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र' के लिए एक प्रस्ताव कैबिनेट ने पारित किया है।

राजपथ पर पूरी दुनिया ने देखी भारत की ताकत, देश में दिखा उत्साह

सेना के शौर्य,नारी शक्ति,और सांस्कृतिक विरासत की झलक

भारत के 71वां गणतंत्र दिवस के अवसर देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित राजपथ पर आयोजित मुख्य समारोह में देश के शौर्य, संस्कृति और समृद्धि का नजारा देखने को मिलाभारत ने पूरी दुनिया को जल-थल-नभ में अपनी ताकत दिखाई, तो अपनी संस्कृति और समृद्धि का दर्शन भी कराया। राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक प्रगति को दर्शाते हुए 22 झांकियां प्रदर्शित की गईं, जिनमें 16 झांकियां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से थीं। इसके अलावा विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कार्यों की छह झांकियां प्रदर्शित की गईं। गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार बतौर मुख्य अतिथि ब्राजील के राष्ट्रपति जायेर बोलसोनारो ने शिरकत की। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राजपथ पर तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत गणमान्य अतिथिगण राजपथ पर आयोजित मुख्य समारोह में मौजूद थे।

71वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने राजपथ पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ भव्य परेड का आनंद उठाया। पहले 1996 और 2004 में ब्राजील के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बन चुके हैं। इस वर्ष समारोह में कई चीजें पहली बार हुईं। इसमें प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करना भी शामिल है। पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के बजाय पहली बार यहां नवनिर्मित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। इंडिया गेट परिसर स्थित इस स्मारक का पिछले साल 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था।भारतीय वायु सेना में शामिल किए गए चिनूक और अपाचे युद्धक हेलीकॉप्टर भी आकर्षण का केन्द्र बने। डीआरडीओ की उपग्रह भेदी (ए-सैट) हथियार प्रणाली को भी यहां प्रदर्शित किया गया। समारोह में विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों की 22 झांकियों के जरिए देशवासियों को अलग-अलग संदेश दिए गए। इस साल गणतंत्र दिवस पर राज्यों की झांकियों में खासी विविधता देखने को मिली है। गोवा ने मेढक को बचाओ अभियान को केंद्रित करके झांकी का प्रदर्शन किया जबकि राजस्थान ने यूनेस्को की सूची में शामिल पुरातात्विक इमारतों को केंद्रित करके झांकी पेश की। गुजरात ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर विशेष झांकी प्रदर्शित की। केंद्र शासित राज्य बनने के बाद पहली बार परेड हिस्सा लेने वाले जम्मू कश्मीर ने विस्थापित कश्मीर पंडितों की गांव में वापसी की थीम पर झांकी प्रदर्शित की। परेड में कुल 22 झांकियों का प्रदर्शन किया गया। इनमें से 16 झांकियां विभिन्न राज्यों की थीं जबकि छह झांकियां केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल ने प्रदर्शित कीं।

ऐतिहासिक अन्याय को दुरुस्त करने के लिए लाया गया सीएए : मोदी

संशोधित नागरिकता कानून के विरोध को लेकर विपक्षी दलों पर वोट बैंक पर कब्जा करने की स्पर्धा में शामिल होने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दशकों पुरानी समस्याएं सुलझा रही उनकी सरकार के फैसले पर जो लोग सांप्रदायिकता का रंग चढ़ा रहे हैं, उनका असली चेहरा देश देख भी रहा है और समझ भी रहा है।राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक पर कब्जा करने की स्पर्धा में लगे हैं, आखिर किसके हितों के लिए काम कर रहे हैं ये लोग।'' उन्होंने कहा, ''ऐतिहासिक अन्याय को दुरुस्त करने के वास्ते भारत के पुराने वादे को पूरा करने के लिए आज जब हमारी सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लेकर आई है तो कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की खातिर इसका विरोध कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि सीएए का विरोध ऐसे लोग कर रहे हैं जिन्होंने शत्रु सम्पत्ति कानून का भी विरोध किया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के हिंदुओं, सिखों और अन्य अल्पसंख्यकों से वादा किया था कि जरूरत महसूस होने पर वे भारत आ सकते हैं। यही इच्छा गांधी जी की थी और यही भावना 1950 में नेहरू-लियाकत समझौते की भी थी। मोदी ने कहा, ''दशकों पुरानी समस्याएं सुलझा रही हमारी सरकार के फैसले पर जो लोग सांप्रदायिकता का रंग चढ़ा रहे हैं, उनका असली चेहरा देश देख भी रहा है और समझ भी रहा है। मैं फिर कहूंगा- देश देख रहा है, समझ रहा है। चुप है, लेकिन सब समझ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इसमें नहीं जाना चाहता कि देश जब आजाद हुआ था तब बंटवारा किसकी सलाह पर हुआ था, किन परिस्थितियों में हुआ था। हालांकि बंटवारे के बाद सीमा से जुड़े कुछ मुद्दे भी आए, लेकिन इनके समाधान के लिए कोई बड़े प्रयास नहीं हुए।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम जानते हैं कि हमारा पड़ोसी देश हमसे तीन-तीन युद्ध हार चुका है। हमारी सेनाओं को उसे धूल चटाने में हफ्ते-दस दिन से ज्यादा समय नहीं लगता।'' उन्होंने कहा कि आज युवा सोच है। युवा मन के साथ देश आगे बढ़ रहा है और इसलिए वह सर्जिकल स्ट्राइक करता है, एअर स्ट्राइक करता है और आतंक के सरपरस्तों को उनके घर में जाकर सबक सिखाता है। इसका परिणाम आप भी देख रहे हैं। युवा शक्ति का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''जो लोग काम चलाने वाली प्रवृत्ति के होते हैं, उनके लिए कल कभी नहीं आता। इस स्थिति को मेरे आज का युवा भारत, मेरे भारत का युवा, स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि आज का युवा छटपटा रहा है कि स्वतंत्रता के इतने साल हो गए, चीजें कब तक ऐसे ही चलती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस स्थिति को मेरे आज का युवा भारत, मेरे भारत का युवा, स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है। वो छटपटा रहा है कि स्वतंत्रता के इतने साल हो गए, चीजें कब तक ऐसे ही चलती रहेंगी? कब तक हम पुरानी कमजोरियों को पकड़कर बैठे रहेंगे।

सीएए लागू करने वाला पहला राज्य बना यूपी

उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बना गया है जहां नागरिकता संशोधन बिल लागू कर दिया गया है। 10 जनवरी को सीएए लागू होते ही करीब पचास हजार हिंदू शरणार्थी ने नागरिकता पाने के लिए आवदेन भी कर चुके है। इसमें से करीब 15 हजार शरणार्थी पीलीभीत जिलें के है। लखनऊ से भी काफी आवदेन आये है। ये संख्या आने वाले दिनों में करीब दो लाख तक पहुंच सकती है। आवदेन करने वाले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से आये लोग हैं, जिन्हें इन देश में अल्पसंख्यक होने के कारण उत्पीड़न का शिकार होने पड़ा था।प्रदेश सरकार ने पहले चरण में इन शरणर्थियों को नागरिकता देने के लिए सूची केंद्र सरकार को भेज दी है। यूपी सरकार के प्रवक्ता और ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने बताया, तीन देशों से आए हिंदू बौद्ध, ईसाई और पारसी प्रदेश में रहे रहे हैं। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की अधिसूचना जारी हो चुकी है और सीएए के दायरे में आने वाले शरणर्थियों को नागरिकता दी जानी है। जिलों से मिली

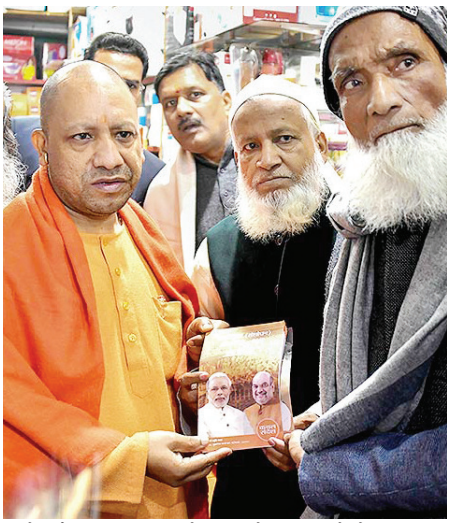

रिपोर्ट के आधार पर पहले चरण में 21 जिलों में 32 हजार से ज्यादा शरणार्थी चिन्हित किए शर्मा ने कहा कि सभी जिलाधिकारियों को शरणार्थी का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। अन्य जिलों में भी आंकड़े एकत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या और भी बढ़ेगी। उधर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभी तक तमाम राज्यों में चुनाव प्रचार के समय ही ज्यादा नजर आते थे, लेकिन अब केन्द्र ने योगी को नागरिकता संशोधन एक्ट (सीएए) को लेकर यूपी सहित देशभर में फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने की जिम्मेदारी भी सौंप दी है। गौरतलब हो, देशभर में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच नागरिकता संशोधन कानून 10 जनवरी 20020 से पूरे देश में लागू हो गया है, लेकिन इसके खिलाफ विरोध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है तो वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित तमाम दिग्गज नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सीएए के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश में लग गए हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी सीएएस पर जागरूकता फैलाने के लिए देश के दूसरे राज्यों में भी सभाएं करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यूपी में जो बड़े-बड़े नहीं कर पाये, वो मजबूत इच्छाशक्ति वाले योगी ने कर दिखाया

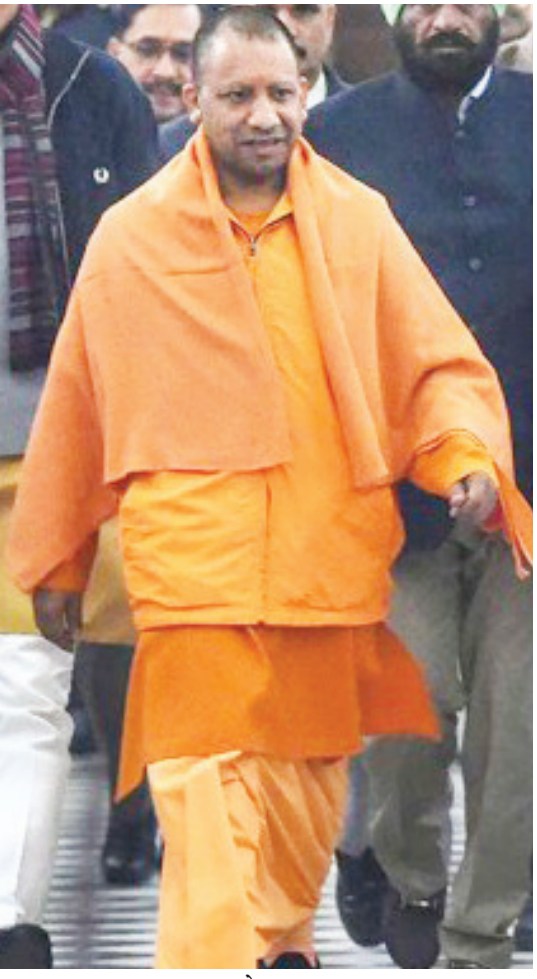

सोनू कुमार माथुर

यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी की इस बात के लिए सराहना की जाना चाहिए कि उन्होंने भारतीय शासन तंत्र के सबसे ताकतवर दबाव को दरकिनार कर लखनऊ और नोएडा जैसे महानगरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू कर दी है। देश के इन दो महत्वपूर्ण शहरों में अब पुलिस कमिश्नर होंगे इससे पहले 15 राज्यों के 71 शहरों में यह सिस्टम काम कर रहा है। इसलिये कहा जा सकता है कि इस निर्णय में नया क्या है ? असल में पुलिस कमिश्नर प्रणाली भारत में सबसे ताकतवर कही जाने वाले आईएएस बिरादरी के परम्परागत और सामन्ती प्रभुत्व को चुनौती देने वाली प्रशासनिक प्रक्रिया है। पूरी दुनिया में भारत की आईएएस बिरादरी को सबसे ताकतवर, जड़ और परम्परागत माना जाता है। आजाद ÷भारत में शासन और राजनीति÷ का अनुभव इस मान्यता को स्वयंसिद्ध करता है। वस्तुतः यह सामान्य धारणा है कि आईएएस ही भारत को चलाते हैं। ऐसे में योगी आदित्यनाथ योगी ने मुख्यमंत्री के रूप में इस लॉबी के अधिकारों को सीमित करने और उन्हें आईपीएस संवर्ग में हस्तांतरित कर बिरली राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है। इस प्रणाली को रोकने के लिए आईएएस लॉबी हर राज्य में समवेत होकर सक्रिय हो जाती है। इसी उत्तर प्रदेश में 40 साल पहले 1979 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रामनरेश यादव ने कानपुर शहर के लिए पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की थी लेकिन तबके पुलिस कमिश्नर को कानपुर पहुँचते ही वापस बुला लिया गया था क्योंकि मुख्यमंत्री पर लखनऊ में आईएएस लॉबी ने इतना दबाव बना दिया था कि उन्हें मजबूर होकर कमिश्नर नियुक्त किये गए श्री त्रिपाठी को फ़ोन लगाकर ज्वाइनिंग से पहले ही वापस बुलाना पड़ा। मायावती को अफ़सरशाही के विरुद्ध सख्त मिजाज सीएम गिना जाता है लेकिन वह भी इस मामले में निर्णय नहीं कर सकीं। अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के अंतिम दौर में इस आशय के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिशें की थी। लेकिन वह भी सफल नहीं हुए। ऐसे में यूपी के मौजूदा सीएम ने इस बड़े नीतिगत निर्णय को अमल में लाकर निःसंदेह आईएएस लॉबी को हद में समेटने का काम किया है। असल में अभी तक का अनुभव भी इस मामले में आईएएस की असीम ताकत और मनमर्जी की तस्दीक करते हैं। फिलहाल लखनऊ और नोएडा में कुछ दाण्डिक ताकतों का प्रयोग अब डीएम की जगह पुलिस कमिश्नर करेंगे। वे दंगा, बलवा या शान्ति भंग की मैदानी स्थिति में धारा 144 के लिए डीएम के मोहताज नहीं होंगे। धारा 151, 107, 116, 109, 110 के तहत अपराधियों की जमानत लेंगे। आर्म्स एक्ट, आबकारी, बिल्डिंग परमिशन जैसे काम भी खुद करेंगे। अफवाह तंत्र के विरुद्ध इंटरनेट शट डाउन के लिए भी वे खुद सक्षम होंगे। नोएडा इस समय भारत की मिनी आर्थिक राजधानी के बराबर है वहाँ कानून व्यवस्था वाकई संवेदनशील विषय है। कमोबेश लखनऊ भी देश का सबसे प्राचीन और संवेदनशील शहर है। भारतीय पुलिस अधिनियम 1861 कानून व्यवस्था के कुछ मामलों को विनियमित करने की शक्तियां डीएम को देता है जो कि पहले आईसीएस हुआ करते थर और अब आइएएस होते हैं। आईएएस अफसर अपनी दाण्डिक शक्तियों को एसडीएम के पास प्रत्यायोजित करते हैं। इसलिये जिलाबदर, गैंगस्टर जैसे मामलों में पुलिस की भूमिका नगण्य रहती है। इसे जिला बदर की कारवाई से समझा जा सकता है। किसी कुख्यात अपराधी का आतंक जब थाना क्षेत्र से निकल कर विस्तारित होने लगता है तब पुलिस ऐसे अपराधियों के विरुद्ध जिला बदर की कारवाई प्रस्तावित कर डीएम/कलेक्टर को भेजती है। डीएम ऐसे प्रकरणों को अपने यहां दर्ज कर बाकायदा सुनवाई और पक्ष समर्थन की प्रक्रिया अपना कर एसपी के प्रस्ताव पर निर्णय करते हैं। अक्सर देखा गया है कि डीएम राजनीतिक या अन्य दबाव में आकर इन प्रकरणों को लंबे समय तक लटकाए रखते हैं। पुलिस कमिश्नर प्रणाली में यह अधिकार कलेक्टर्स से छिन जाते हैं और कमिश्नर जिला बदर और गैंगस्टर एक्ट में सीधे निर्णय करने लगते हैं। जिला बदर अपराधी नियत समयावधि तक न केवल गृह जिले बल्कि उसके सभी सीमावर्ती जिलों में नहीं रह सकता है। कमिश्नर कार्यक्षेत्र में ऑर्म्स लाइसेंस भी कलेक्टर नहीं कमिश्नर देते हैं अभी जिलों के एसपी कलेक्टर को अपनी सिफारिश भेजते हैं कि फलां व्यक्ति को हथियार लाइसेंस दिया जाए या नहीं। धरना प्रदर्शन के दौरान कानून और सुरक्षा व्यवस्था बनाने का काम पुलिस के जिम्मे रहता है लेकिन इनकी अनुमतियाँ संबंधित एसडीएम जारी करते हैं। कमिश्नर प्रणाली में यह अधिकार भी राजस्व अफसरों से छीन लिया जाता है। बड़े शहरों में यातायात को निर्बाध बनाने के लिए पुलिस को बड़ी मशक्कत करनी होती है अक्सर अतिक्रमणकारियों के आगे पुलिस लाचार नजर आती है। कमिश्नर सिस्टम के चलते नगर निगम प्रशासन को न्यायिक आदेश जारी करने के अधिकार पुलिस को मिल जाते हैं।

विपक्षी दलों की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा

सीएए और एनआरसी पर पीएम और गृहमंत्री ने किया गुमराह

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर देश में विरोध प्रदर्शनों को लेकर विपक्षी दलों की बैठक में सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने नफरत फैलाई और लोगों को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने की कोशिश की है। सोनिया गांधी ने कहा, सीएए और एनआरसी पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने लोगों को गुमराह किया। उन्होंने केवल हफ्तों पहले दिए गए अपने खुद के बयानों का खंडन किया और अपने उत्तेजक बयान जारी रखे। कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि संविधान को कमजोर किया जा रहा है और शासन के उपकरणों का दुरुपयोग हो रहा है। सीएए और एनआरसी को लेकर लोगों में निराशा और रोष है, देशभर में युवा विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। देश के हिस्सों खासकर यूपी में समाज के बड़े तबकों को प्रताड़ित किया जा रहा और उन पर हमले किए जा रहे हैं। यूपी और दिल्ली में पुलिस की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और क्रूर है।

वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाया जा रहा है

सोनिया गांधी ने कहा कि आज भारत के सामने असल मुद्दा आर्थिक गतिविधियों का पतन और विकास को कमजोर करना है, जो समाज के सभी वर्गों, खासकर गरीब और वंचितों को प्रभावित कर रहा है। प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के पास कोई जवाब नहीं है और एक के बाद एक विभाजनकारी और ध्रुवीकरण के मुद्दे को उठाकर देश का ध्यान इस गंभीर वास्तविकता से हटाना चाहते हैं।

पीएम देश को कर रहे हैं विभाजित: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि पीएम

देश के लोगों को विचलित और विभाजित कर रहे हैं। उन्होंने पीएम को चुनौती देते हुए कहा कि वे किसी एक यूनिवर्सिटी में जाएं और छात्रों को बताएं कि अर्थव्यवस्था के सुधार और रोजगार पैदा करने के लिए क्या करेंगे। इस तरह की बात करने के लिए पीएम में साहस होना चाहिए लेकिन उनमें यह करने की हिम्मत नहीं है। बता दें कि पार्लियामेंट एनेक्सी में हुई इस बैठक में 20 सभी समान विचारधारा वाले दलों ने इसमें हिस्सा लिया। बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह,एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, एलजेडी प्रमुख शरद यादव, वाम नेता सीताराम येचुरी और डी राजा, राहुल गांधी, गुलाम नबी आजाद और अहमद पटेल मौजूद थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बीएसपी अध्यक्ष मायावती, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दूरी बनाए रखी।

रोजगार को लेकर प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

रोजगार के मुद्दे पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, नौकरियां देने के तमाम बड़े वादों की हकीकत यही है। देश के सात बड़े क्षेत्रों में करीब साढ़े तीन करोड़ लोग बेरोजगार हो गए हैं। बड़े-बड़े नामों और विज्ञापनों का नतीजा है 3 करोड़ 64 लाख बेरोजगार लोग। तभी तो सरकार नौकरी पर बात करने से कतराती है। प्रियंका गांधी के अलावा दिग्विजय सिंह ने भी मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी की दर बढ़ रही है। उन्होंने पीएम मोदी को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण की जगह शिक्षित बेरोजगार भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर बनाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जहां शिक्षित बेरोजगार भारतीय नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर कोएकीकृत एजेंडा करार दिया, वहीं एनआरसी को उन्होंने विभाजनकारी एजेंडा करार दिया। उन्होंने ट्वीट करके कहा, मेरे पास हमारे प्रधानमंत्री के लिए एक बहुत ही सकारात्मक सुझाव है। एनआरसी के बजाय जिसने पूरे देश में सामाजिक अशांति पैदा की है, उन्हें शिक्षित बेरोजगार नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करना चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि यह विभाजनकारी एजेंडा नहीं है बल्कि एकीकृत एजेंडा है।

दिल्ली चुनावों में वादे और घोषणाएं

आठ फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं। तीनों में एक समानता जरूर है और वह है फ्री में कुछ न कुछ देने का वादा। कोई फ्री बिजली दे रहा तो कोई फ्री बस की सुविधा तो कोई स्कूटी और साइकिल। किसी ने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र तो किसी ने गारंटी कार्ड नाम दिया है। तो आइए जानते हैं कि यह पार्टियां किन वादों पर अपनी जीत का दावा कर रही हैं।

आप का गारंटी कार्ड

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के गारंटी कार्ड में हर घर में पानी, प्रदूषण मुक्त शहर, महिला सुरक्षा, मुफ्त बिजली (200 यूनिट), भूमिगत केबल, अवैध कॉलोनियों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, जहां झुग्गी वहां घर, सार्वजनिक परिवहन, शिक्षा, स्वच्छ दिल्ली और शौचालय संबंधी वादे किए हैं। उन्होंने अगले 5 साल में दिल्ली की जनता को एकदम साफ और 24 घंटे पानी देने की बात कही है। 20,000 लीटर मुफ्त पानी की सुविधा जारी रहेगी। दिल्ली में जन्म लेने वाले बच्चे कोसे 12वीं तक की शिक्षा मुफ्त मिलेगी। इसके अलावा दिल्ली के हर परिवार को मुफ्त और अच्छा इलाज दिया जाएगा। अगले 5 साल तक भी 24 घंटे बिजली जारी रहेगी और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली सेवा भी चलती रहेगी। महिलाओं की फ्री बस सेवा जारी रहेगी और हम स्टूडेंट्स को भी फ्री ट्रांसपोर्ट मुहैया कराएंगे।

भाजपा भी फ्री के भरोसे

इसमें 10 लाख बेरोजगारों को रोजगार दिलाने, शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए दिल्ली में 10 नये कॉलेज खोलने, टैंकर मुक्त दिल्ली के लिए हर घर में नल से स्वच्छ पानी मुहैया कराने के अलावा फ्री में कॉलेज जाने वाली गरीब लड़कियों को एक इलेक्ट्रिक स्कूटी देने की बात कही गई है। इसके अलावा गरीब विधवा महिलाओं को बेटी की शादी के लिए 51 हजार रुपये सरकारी उपहार के तौर पर दिए जाएंगे। कानूनी तौर पर सीलिंग से मुक्ति, 10 लाख व्यापारियों की दुकानों और ऑफिसों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करवाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हर साल बजट में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने, रेहड़ी-पटरी वालों को नियमित करने के लिए मास्टर प्लान लाने और दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का वादा भी किया गया है।

कांग्रेस ने किया मुफ्त बिजली का वादा

फ्री के मामले में कांग्रेस भी पीछे नहीं है। उसने वादा किया है कि कांग्रेस की सरकार आई तो दिल?ली की जनता से 300 यूनिट तक कोई बिजली बिल नहीं लिया जाएगा यानी 300 यूनिट तक बिजली फ्री।. इसके अलावा 300 से 400 यूनिट तक 50 प्रतिशत, 400 से 500 यूनिट तक 30 प्रतिशत और 500 से 600 यूनिट तक 25 प्रतिशत तक की छूट देने का वादा किया है। इसके अलावा सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा, ट्रांसजेंडर के पेंशन शुरु करने, दिल्ली में न्याय योजना शुरु करने, लड़कियों के लिए नर्सरी से पीएचडी तक मुफ्त शिक्षा, बीपीएल परिवारों के एक सदस्य को स्टार्टअप के लिए मिलेगी 25 लाख रुपये मुफ्त राशि, युवा स्वाभिमान योजना% के तहत ग्रैजुएट युवाओं को 5,000 और पोस्ट ग्रैजुएट युवाओं

दुनियांभर में कोरोना का कहर

चीन के वुहान शहर से शुरू हुआ करॉना वायरस का प्रकोप दुनिया के कई देशों में फैल गया है। इसने 2002-03 में चीन से ही फैले सार्स की याद दिला दी है। सार्स भी एक तरह का करॉना वायरस था। जब वह शुरू हुआ, तो लंबे समय तक चीन की सरकार इसका खंडन करती रही। नतीजा यह हुआ कि यह वायरस बड़ी तेजी से 34 देशों में फैल गया और उससे 750 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई। लेकिन इस बार चीन ने करॉना के मामले को छुपाया नहीं, इसके बारे में समय रहते सारी जानकारी दुनिया से शेयर की और अपने देश में भी बचाव के अभूतपूर्व कदम उठाए। उसने अपने 13 शहरों को बंद कर दिया है। वहां के निवासियों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

यह ठीक है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और मेडिकल तंत्र ने काफी तरक्की की है। बहुत सी पुरानी महामारियों का हमने उन्मूलन ही कर दिया है, पर यह भी सच है कि नए रोगों के आगमन को हम अभी भी नहीं रोक पा रहे। दिक्कत इसलिए भी है कि नए रोगों के आगमन की रफ्तार तेज हुई है। और हमारे पास इन्हें रोकने या इनसे निपटने की कोई तेज रणनीति भी नहीं है। ऐसे रोगों के लिए वैक्सीन विकसित करने और अंतिम प्रयोग लायक बनाने में लंबा वक्त लगता है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जमाने में इस सूरत को बदलने की जरूरत है। विज्ञान को तुरंत इस ओर कदम बढ़ाने होंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिस समय वुहान के कोरोना वायरस को नया खतरा घोषित किया, ठीक उसी समय केरल में एक व्यक्ति के इस वायरस से संक्रमित होने की खबर भी आ गई। पिछले एक महीने में यह खतरनाक वायरस भारत समेत दुनिया के डेढ़ दर्जन देशों में फैल चुका है और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भले ही अभी इसे अंतरराष्ट्रीय आपातकाल घोषित नहीं किया है, पर यह माना है कि स्थिति काफी नाजुक है। हालांकि दुनिया भर के हवाई अड्डों पर चीन से आने वाले यात्रियों की जांच और उन पर नजर रखने का काम काफी मुस्तैदी से चल रहा है, इसके बावजूद इस वायरस का जापान और अमेरिका समेत कई देशों में काफी तेजी से फैलना यह तो बताता ही है कि ये सारे इंतजाम दुनिया भर में नाकाफी साबित हुए हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस वायरस को गंभीरता से लिया है, लेकिन उसने दुनिया के लिए आपात स्थिति घोषित करने से इनकार किया है। उसने इसे केवल चीन के लिए आपात काल बताया। उसका कहना है कि अभी साफ नहीं है कि यह नया वायरस कितना खतरनाक है। यह जाने बगैर विश्व के लिए इसे चिंताजनक हालात नहीं कहा जा सकता। लेकिन तमाम देशों ने इससे बचाव की तैयारी शुरू कर दी है। भारत में भी पूरी तैयारी है। पिछले कुछ वर्षों में एच1एन1, डेंगू, चिकनगुनिया से निपटने के क्रम में हमारा स्वास्थ्य तंत्र पहले से कहीं ज्यादा सक्षम हुआ है। करॉना से निपटने के लिए हवाई अड्डों को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। चीन से आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की थर्मल स्कैनर के जरिए जांच करने का निर्देश दिया गया है। चीन जाने वाले और वहां से आने वाले यात्रियों के लिए यात्रा परामर्श भी जारी किया गया है। देश में आने वाले 96 विमानों के 20 हजार यात्रियों की थर्मल जांच की गई है जिनमें कोई भी व्यक्ति इस वायरस से ग्रसित नहीं पाया गया। पिछले कुछ दिनों में चीन से केरल आए 80 लोगों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। इनमें बुखार और जुकाम के लक्षण पाए गए हैं। मुंबई में भी ऐसे लक्षण वाले दो लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस वायरस के लिए कोई टीका और दवा उपलब्ध नहीं है। दूसरी समस्या यह है कि इसके कुछ ऐसे विशिष्ट लक्षण भी नहीं हैं कि इसकी तत्काल पहचान हो सके। आम तौर पर हम सर्दी-खांसी को सामान्य बीमारी मानकर ही चलते हैं। लेकिन इसे लेकर अब सतर्क होना होगा। इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। डॉक्टरों की सलाह है कि हम साफ-सफाई का खासतौर से ध्यान रखें। हाथ अच्छी तरह धोएं। साबुन या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। नॉन वेज खासकर सी-फूड खाने से बचें, क्योंकि यह वायरस सी-फूड से ही फैला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही इस पर नियंत्रण कर लिया जाएगा।

नारी उत्थान के बिना विकास की कल्पना अधूरी है

शैलेष सिंह कुशवाह
वरिष्ठ पत्रकार

संसार निर्माण की बात करें या शस्त्र उदय की बात करें नारी के बिना यह जगह आधा है अधूरा है विश्व का कोई भी देश को नारी के बिना नहीं निर्मित हो सकता विश्व के विकास की बात करें सस्ती के निर्माण पर चर्चा करें तब तब तक संभव नहीं है जब तक के नारी के सामाजिक सरोकार के बिना आधा है। अकल्पनीय विश्व को साकार रूप प्रदान करने के लिए नारी का अतुलनीय योगदान है। नारी तू नारायणी है तू ही जगत का आधार है आज संसार के देश की तरक्की वाले देशों की बात करें या विकसित देशों की बात करें उन्हीं देशों विदेशों की बात करें उन्हीं देशों के विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिन्होंने समाज को नई दिशा प्रदान करने में नारी की भूमिका को सराहा सम्मान दिया है।

नारी की समाज में भूमिका मां बहन बहू बेटी पत्नी नानी दादी मौसी चाची जैसी अपनी भूमिका तो है ही आज नारी समाज में निर्माण में अपनी भूमिका का विस्तार सामाजिक व्यवस्था निर्माण में शिक्षक का वैज्ञानिक समाज सुधारक धर्म उपदेशक अंतरिक्ष वैज्ञानिक संसार के विकास से जुड़े हुए हर

क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभा रही है समाज की मूल इकाई मनुष्य की बात करें तो स्त्री और पुरुष मिलकर सांसारिक चक्र के निर्माता हैं दोनों ही बराबर भूमिका है इसमें आगे जिम्मेदारी भी दोनों की बराबर की है और परस्पर होता है। ना हो तो घर में बन जाता है तो उसका बिगड़ा समाज के निर्माण के लिए एक आदर्श समाज के विकास के लिए हम सब लोगों की जिम्मेदारी है कि हम लोग किस तरह अपनी बहन बेटियों का सम्मान करते हैं उसी तरह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने में सार्थकता सिद्ध होगी महिलाओं ने संसारी विकास से जुड़े प्रत्येक क्षेत्र में अपने ठोस कदम रखकर अपना लोहा मनवाया चाहे शिक्षा का क्षेत्र कृषि का क्षेत्र और स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या जल थल नभ में हर जगह व पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है 24 घंटे 7 दिन 12 महीने समाज के विकास की धुरी की तरह अनवरत रूप से चलाएं मान है ऐसे में यदि कोई समाज की आधी आबादी की आवेला करे तो उस समाज की नैया डूब ना निश्चित है। हमारे देश में भी कुछ तबका है जो महिलाओं के अधिकारों का कुठाराघात करता है उनके जागृत करने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार अनवरत अभियान चला रही है जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के द्वारा हर गांव हर घर घर महिला समानता की महिला सशक्तिकरण विभाग अपनी प्रभावी भूमिका का निर्माण भारत को विश्व का सार्थक प्रयास करें महिलाओं को शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ाकर हम भारत को सशक्त देश में महिलाओं को सम्मान देश की विकास विकास के नए आयाम खुलेंगे

राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है इस भूमिका को हम नकार नहीं सकते हैं राष्ट्र की बात करें घर की बात करें या अन्य किसी भी जगह की बात मातृशक्ति के बिना आधी अधूरी है विकास तभी संभव है जब हम आधी आबादी को पूर्ण सम्मान दें उनके हक के लिए उनको पूरा सम्मान मिलना चाहिए भारत वह देश है जहां नारी को नारायण से श्रेष्ठ बताया है अगर हम बात करें देवी स्वरूप की तो दुर्गा काली लक्ष्मी गायत्री जैसे अनगिनत स्वरूप मैं नारी का सम्मान वर्णित है और यह तभी संभव है जब समाज नारी को सजग समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है इसी से राष्ट्र के विकास की कल्पना भी पूर्ण होगी वर्तमान परिदृश्य की बात करें तो देश की प्रथम प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर विभिन्न राज्यों की मुख्यमंत्रियों के रूप में नारी ने अच्छा काम किया है अगर हम बात करें न्यायालय में तो देश में अनेकों न्यायधीश नारी हैं जो न्यायालय की गरिमा को आगे बढ़ा रही हैं अगर हम बात करें प्रशासनिक पद पर तो वह किसी से कम नहीं है हम बात करें अंतरिक्ष के क्षेत्र में तो कल्पना चावला का नाम किसी से छुपा नहीं है जो विश्व में अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक आद्वितीय मिसाल कायम कर गई विश्व में जब भी अंतरिक्ष की बात चलेगी कल्पना चावला का नाम हमेशा स्वर्णिम अक्षर में लिया जाएगा अब हम बात करते हैं हमारे देश में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां नारी कंधे से कंधा मिलाकर कहीं भी किसी भी मुद्दे पर पूर्व से कम हो बस जरूरत है इस बात की के हम उनके हर काम में मदद करें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें इसी में देश की भलाई है तथा समाज का हित समाहित है जय नारी शक्ति जय राष्ट्र शक्ति।

दिल जोड़ने की संस्कृति को बनाएंगे समृद्धः कमल नाथ

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा है कि दिल जोड़ने की संस्कृति को समृद्ध बनाने के साथ ही नई सोच और व्यवस्था में परिवर्तन करके हम मध्यप्रदेश को एक नई पहचान देंगे। आने वाले समय में हमारे प्रदेश की तुलना पिछड़े नहीं, देश के अग्रणी राज्यों के साथ होगी। श्री कमल नाथ अमरकंटक नर्मदा महोत्सव 2020 का शुभारंभ कर रहे थे। आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री ओमकार सिंह मरकाम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह इस मौके पर उपस्थित थे। *(आर. एस. रजक)*

प्रदेश में समावेशित हैं विभिन्न संस्कृतियाँ

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के हृदय प्रदेश, मध्यप्रदेश में विभिन्न संस्कृतियों का समावेश है। मालवा निमाड़, महाकौशल, विंध्य क्षेत्र की अलग-अलग संस्कृतियों में आपसी सद्भाव, भाईचारा और प्रेम की भावना मजबूत है। यही विशेषता हमारे देश की है। भारतीय संस्कृति एक ऐसी संस्कृति है, जो सबको समेट कर एक झण्डे के नीचे लाकर खड़ा करती है, यही भारत की महानता है, जिसे पूरा विश्व आश्चर्य की नजर से देखता है। हमें इसी दिल जोड़ने वाली संस्कृति को और अधिक मजबूत बनाना है। इसे कमजोर करने वाली ताकतों को नाकामयाब करना है।

साढ़े दस माह में काम करने की नियत और नीति का परिचय दिया

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा की 13 महीने पुरानी सरकार ने अपने मात्र साढ़े दस माह के कार्यकाल में अपनी नीति और नियत से बताया है कि हमारा लक्ष्य प्रदेश का संपूर्ण विकास करना है। हम एक ऐसा प्रदेश बनाना चाहते हैं, जहाँ हर वर्ग में खुशहाली हो। एक नई कार्य संस्कृति हो, शासन-प्रशासन की नई सोच हो और सरकार की योजनाओं का लाभ जरुरतमंदों को मिले, यही सुनिश्चित करें। इस दिशा में हमने व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए बुनियादी फैसले लिये हैं।

कर्जमाफी के साथ कृषि क्षेत्र में बदलाव की शुरुआत

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा कि कृषि क्षेत्र को उन्नत और खुशहाल बनाने के प्रयास हमने शुरु किये हैं। मुख्यमंत्री जय किसान फसल ऋण माफी योजना में 21 लाख किसानों की कर्ज माफी से हमने इसकी शुरुआत की है। हम उस परंपरा को बदल देंगे, जिसमें किसान का जन्म कर्ज में होता है और कर्ज के बोझ तले ही उसकी मृत्यु हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि ऋण माफी योजना का द्वितीय चरण शुरु हो गया है। प्रदेश के सभी पात्र किसानों का 2 लाख रुपये तक का ऋण माफ हो, इसके लिए सरकार वचनबद्ध है।

निराश नहीं होने दूँगा

मुख्यमंत्री ने अमरकंटक सहित क्षेत्रीय विकास को लेकर विधायक श्री फुंदेलाल मार्को की 300 करोड़ की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं इतना ही कहूँगा कि यहाँ की जनता को निराश नहीं होने दूँगा। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति ने कहा कि अमरकंटक नर्मदा महोत्सव की शुरुआत करके मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने सनातन धर्म की परंपरा का सम्मान किया है। उन्होंने आग्रह किया कि यहाँ पर वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ ही उनके लिये एक जू की स्थापना भी की जाए।

मेरा स्वप्न है मध्यप्रदेश की तुलना देश के अग्रणी राज्यों से हो

मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कहा है कि मेरा स्वप्न है कि मध्यप्रदेश की तुलना देश के अग्रणी राज्यों से हो न कि पिछड़े और छोटे राज्यों से। उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए जरूरी है कि तंत्र और गण अपनी सोच और नजरिए में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएं क्योंकि एकजुट होकर किए गए प्रयासों से ही बेहतर परिणाम हासिल होते हैं। श्री कमल नाथ आज दावोस में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की वार्षिक बैठक में भाग लेकर इन्दौर पहुँचे, जहाँ उन्होंने चौबीस घंटे में पाँच सेवाओं के लिए द्वार प्रदाय सेवा योजना का लोकार्पण किया। ऐसी योजना शुरु करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान बदलना हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने दावोस की अपनी चार दिवसीय यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश किसानों की आत्महत्या, माफिया, बेरोजगारी के कारण जाना जाए, इस शर्मनाक हालात में बदलाव लाना होगा। श्री कमल नाथ ने कहा कि इसके लिए शासन और प्रशासन के साथ लोगों के दृष्टिकोण और कार्य- संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तन लाना होगा, जो आज के जमाने से तालमेल बना सके। उन्होंने कहा कि इन्दौर आज पूरे देश में स्वच्छता के मामले में अव्वल है, तो इसका श्रेय स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ यहाँ की जनता को भी जाता है। श्री कमल नाथ ने कहा कि आज जब मैं लोगों को इन्दौर में आमंत्रित करता हूँ, तो गर्व से कहता हूँ कि उस इन्दौर में आईये, जहाँ पूरे देश में सबसे ज्यादा साफ-सफाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा गर्व हमें पूरे प्रदेश को लेकर हो, इस दिशा में सरकार जनता के साथ मिलकर काम करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए जरूरी है कि कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएं। यह ऐसा क्षेत्र है जिस पर हमारे प्रदेश की 70 प्रतिशत आबादी का भविष्य निर्भर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होगी, जब हम किसानों की क्रय शक्ति को बढ़ाएंगे। यही क्रय शक्ति है, जो हमारे किरानों की दुकानों और छोटे व्यापार-व्यवसाय को आगे बढ़ाएगी। साथ ही रोजगार के व्यापक अवसर भी उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सोच के साथ निवेश-मित्र राज्य बनाने और प्रदेश की जनता से जो शक्ति इस सरकार को मिली है, उसके बल पर हम मध्यप्रदेश का एक नया नक्शा बनाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने फहराया राष्ट्रध्वज

हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मना 71वाँ गणतंत्र दिवस

शशिभूषण सिंह चौहान

ग्वालियर। 71वाँ गणतंत्र दिवस समारोह ग्वालियर जिले में उत्साह, उमंग, हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ समारोहपूर्वक मनाया गया। यहाँ कम्पू स्थित एस.ए.एफ ग्राउंड पर आयोजित हुये गरिमामयी मुख्य समारोह में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व कारगिल शहीदों के परिजनों को शॉल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने शांति और खुशहाली के प्रतीक हरा, सफेद व केसरिया रंग के गुब्बारे आसमान में छोड़े। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा मनोहारी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विभागों द्वारा निकाली गई शासकीय योजनाओं पर केन्द्रित आकर्षक झाँकियां भी आकर्षण का केन्द्र रहीं।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित हुए मुख्य समारोह में खाद्य मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात उन्होंने कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी व पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन के साथ खुली जीप में सवार होकर संयुक्त परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। संयुक्त परेड में शामिल जवानों ने इस अवसर पर मधुर-धुन के बीच हर्ष फायर किये और राष्ट्रपति के जयकारे लगाये। मंत्री श्री तोमर ने 71वे गणतंत्र दिवस पर सभी जिलेवासियों का अभिनंदन किया और बधाई दी।

आकर्षक मार्चपास्ट से सभी हुए प्रभावित

संयुक्त परेड में सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, विशेष सशस्त्र बल की द्वितीय वाहिनी, 13वीं व 14वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल, जिला महिला पुलिस बल, नगर सेना, एनसीसी जूनियर व सीनियर गर्ल्स, एनसीसी सीनियर व जूनियर बॉयज, स्काउट व गाइड, शौर्यादल एवं महिला व पुरूष नगर रक्षा समिति की टुकड़ियों ने बीएसएफ एवं द्वितीय वाहिनी एस ए एफ. के बैण्ड की मधुर धुन के साथ आकर्षक मार्चपास्ट किया। संयुक्त परेड का नेतृत्व परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्री अरविंद सिंह दांगी ने किया। मार्चपास्ट के पश्चात सभी टुकड़ियों के परेड कमांडर्स से मुख्य अतिथि ने परिचय प्राप्त किया। समारोह में हाईड्रोलिक फायर ब्रिगेड मशीन के प्रदर्शन को भी दर्शकों ने सराहा।

दौलतराव सिंधिया ने 1810 में ग्वालियर को राजधानी बनाया

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

दौलतराव सिंधिया का विवाह कोल्हापुर क्षेत्र के एक जागीदार सरकार सर्जेराव घाटवों की 14 वर्षीय पुत्री बैजाबाई से पुणे में हुआ। इस विवाह में पेशवा भी शामिल हुआ। उस समय जब दौलतराव अंग्रेजों से उलझा हुआ था सरदार सजैराव घाटगे ने दौलतराव और उसकी विभाताओं (महादजी सिंधिया की विधवा बाइयों) के बीच मतभेद पैदा कर दिये। बात इतनी बढ़ गई कि विभाताएं दौलतराव के विरुद्ध हो गईं। महादजी के विश्वस्त रहे सरदार लखवा दादा ने जब विभामाओं का पक्ष लिया तो दौलतराव ने उसे अपनी सेना से हटा दिया। तब लखवा दादा अपनी सेना के साथ विभाताओं को लेकर दतिया नरेश शत्रुजीत के यहां पहुंचे शत्रुजीत ने सहानुभूति दिखाते हुए लखवा दादा और विभाताओं को सुरक्षा के साथ सेवढ़ा के किले में ठहरा दिया। इससे दौलतराव आग बबूला हो उठा और उसने अपने मंत्री अम्बाजी इंग्ले को लखवा दादा से निपटने सेवढ़ा भेजा। उस समय लखवा दादा की अपनी सेना के साथ झांसी के सूबेदार शिवराम भाऊ का सहयोग और दतिया नरेश शत्रुजीत की सेना का बल भी शामिल था। स्वयं दतिया नरेश शत्रुजीत भी अम्बाही इंग्ले की यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित सेना से भिड़ने सेवढ़ा जा पहुंचा। लखवा दादा का पक्ष हर तरफ से मजबूत होने के बावजूद वह यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित सिंधिया की सेना के आगे टिक नहीं सका। घायलावस्था में लखवा दादा विभाताओं को लेकर दतिया निकल गया। लेकिन इस लड़ाई में दतिया राज्य को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। रणभूमि में गंभीर रूप से घायल दतिया नरेश शत्रुजीत को प्राण गंवाने पड़े। लेकिन दौलतराव सिंधिया की सेना को भी यह संघर्ष इतना भारी पड़ा कि फिर उसकी सेना की दतिया की तरफ जाने की हिम्मत नहीं हुई। बाद में अम्बाजी इंगले ने दौलतराव की ओर से लखवा दादा और विभाताओं से चर्चा की और एक समाधान संधि से इस विवाद को खत्म किया। सरदार सुर्जेराव घाटगे द्वारा लगाई गई इस पारिवारिक आग से दौलतराव तो जैसे-तैसे बच निकला। लेकिन उसकी मृत्यु के बाद यही घटनाक्रम उसकी पत्नी और सरदार सुर्जेराव घाटगे की पुत्री महारानी बैजाबाई तथा जनकोजी राव के बीच रिपीट हुआ, जिसकी चर्चा हम आगे करेंगे। सन् 1974 से 1827 तक ग्वालियर के शासक रहे दौलतराव सिंधिया ने मराठों के हर संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया। लगभग 19 वर्ष की आयु में महादजी सिंधिया के उत्तराधिकारी के रूप में जिस पराक्रमी मराठा सरदार के उभरने की उम्मीद लगाई जा रही थी, दौलतराव सिंधिया ने

उससे कहीं बढ़कर पराक्रम दिखाने की कोशिश की परन्तु मराठा सरदारों के बीच आपसी कलह और कमजोर पेशवा के कारण मराठों का पतन शुरू हो चुका था। अंग्रेजों के साथ द्वितीय मराठा युद्ध (1803-05) में मराठों की हार और महादजी के जमाने से चला आ रहा होल्कर सिंधिया वैमनस्य दोनों ही मराठा सरदारों के लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। सन् 1817-19 में हुए तीसरे अंग्रेज-मराठा युद्ध ने तो मराठों के पराक्रम पर विराम ही लगा दिया।

अपने इस संघर्ष की यात्रा में दौलतराव सिंधिया ने होल्कर के इंदौर से दूर 1810 में ग्वालियर को अपना नया ठिकाना बनाया। ग्वालियर किले के दक्षिण में नए नगर लश्कर की बसावट शुरू हुई और धीरे-धीरे उज्जैन की जगह ग्वालियर ने सिंधिया रियासत की राजधानी का रूप ले लिया। दौलतराव ने जिस भवन को अपना आवास बनाया, उसमें वर्तमान में कमलाराजा महाविद्यालय संचालित है।

इंदौर से दूर चले आने के बाद भी दौलतराव की परेशानियां दूर नहीं हुईं। सन् 1813 में गवर्नर जनरल बनतेही लार्ड हैस्टिगन ने पिण्डारियों का साथ देने के नाम पर दौलतराव पर शिकंजा कसा। इससे दौलतराव पहले तो क्रोधित हुआ किन्तु स्थिति भांपकर 5 नवंबर 1817 को उसने अंग्रेजों से एक नई संधि कर ली। इस संधि में उसने पिंडारियों के खिलाफ पूर्ण सहयोग का वचन दिया। इसके बाद 1818 में अंग्रेजों के साथ दौलतराव ने दूसरी संधि की जिसमें अंग्रेजों ने दौलतराव के क्षेत्र की सीमाओं का फिर से समायोजन किया। इस समायोजन में ग्वालियर क्षेत्र से दूर दराज के भूभाग, जिसमें अजमेर भी शामिल थे ले लिए गए और उनके स्थान पर नरवर, शिवपुरी, और मालवा क्षेत्र के कुछ भू-भाग पर ग्वालियर क्षेत्र में शामिल कर दिए गए। इस समायोजन से ग्वालियर रियासत का जो स्वरूप बना, लगभग वहीं आगे भी जारी रहा। लगभग यही स्थिति होल्कर और अंग्रेजों के बीच रही। लेकिन 1818 में ग्वालियर रियासत की जो संरचना हुई उस पर सिंधिया स्टेट के शासक के रूप में दौलतराव सिंधिया ने मृत्युपर्यन्त अंग्रेजों के आश्रित के रूप में राज्य किया। मालवा में होल्कर और देवास में पंवार भी अंग्रेजों के आश्रित के रूप में शासक बने। इस तरह होल्कर और सिंधिया के वमनस, अंग्रेजों का आश्रित बनने पर ही खत्म हुई और इंदौर और ग्वालियर रियासत के एक नए युग की शुरूआत भी यही से हुई।

(स्पेशल स्टोरी)

जगत प्रकाश नड्डा

जन्मतिथि
2 दिसंबर 1960

जन्मस्थान
पटना (बिहार)

जेपी नड्डा के विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से हिमाचल का नाम ऊंचा

1994 - 98
हिमाचल प्रदेश विधानसभा में
भारतीय जनता पार्टी के नेता

पिताः नारायण लाल नड्डा
पैतृक निवासः विजयपुर, बिलासपुर
शिक्षाः स्नातक, पटना विश्वविद्यालय, एलएलबी (एचपीयू)

अभिषेक मिश्रा रिपोर्टर, हिमाचल

“

बिलासपुर के विजयपुर गांव का प्रकाश पूरे जगत में चमक उठा। विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए जगत प्रकाश नड्डा को पूरा परिवार प्रकाश के नाम से पुकारता है। उनका जन्म बिहार के पटना में दो दिसंबर 1960 को हुआ। जेपी नड्डा के पिता नारायण लाल नड्डा पटना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर व रांची विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। श्री नड्डा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बिहार में आरंभ की और स्नातक पटना विश्वविद्यालय से पूरी की। उन्होंने पटना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रह कर कई छात्र आंदोलनों व उस समय चल रहे 1975 के जय प्रकाश नारायण आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह अपने पैतृक राज्य हिमाचल में वापस आ गए। जेपी नड्डा हिमाचल विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई करते हुए वर्ष 1983 में हिमाचल विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए।

जगत प्रकाश नड्डा हिमाचल में एबीवीपी के विचार में पहले अध्यक्ष रहे है। वह तत्कालीन अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में कार्य करते हुए तिरंगा यात्रा में युवाओं के साथ रहे। वर्ष 1993 में वह पहली बार बिलासपुर हिमाचल प्रदेश से विधायक चुने गए व हिमाचल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने। वर्ष 1998-2003 में जेपी नड्डा फिर विधायक चुने गए और हिमाचल कैबिनेट मंत्री के रूप में उन्होंने स्वास्थ्य व परिवार कल्याण व संसदीय कार्य मंत्रालय का कार्यभार संभाला। जेपी नड्डा 2007 में तीसरी बार विधायक चुने गए और वन एवं पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री रहे। वर्ष 2010 में मंत्री परिषद से त्याग पत्र देकर वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बने। वह तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी की टीम के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए केंद्रीय कार्यालय प्रभारी व अनेक राज्यों के प्रभारी व चुनाव प्रभारी रहे।

स्वास्थ्य मंत्रालय छोड़ बने कार्यकारी अध्यक्ष

नरेंद्र मोदी सरकार 2019 में दोबारा वापस आई और शाह को कैबिनेट में गृह मंत्री का ओहदा दिया गया, लेकिन सवाल यह था कि आखिर पार्टी कौन संभालेगा। एक बार फिर से पीएम मोदी ने नड्डा पर भरोसा जताया और वह जुलाई, 2019 में स्वास्थ्य मंत्रालय छोड़ संगठन में कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर आ गए।

नड्डा पूरे देश में खिलाएंगे कमल

भाजपा अध्यक्ष बनते ही जेपी नड्डा ने लिया संकल्प, हिमाचल के लिए स्वर्णिम दिन

भारतीय जनता पार्टी का निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद जेपी नड्डा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए है, जो हिमाचल के लिए भी गौरव की बात है। जगत प्रकाश नड्डा 2019 से 2022 के लिए सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष

चुने जाने पर निवर्तमान अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के तमाम नेताओं ने श्री नड्डा को बधाई दी।जगत प्रकाश नड्डा ने छात्र राजनीति से अपना सफर शुरू किया था, जो अब इस मुकाम तक पहुंच गए हैं। हिमाचल मंत्रिमंडल में वह दो बार मंत्री रहे, जिन्होंने पहले स्वास्थ्य मंत्री और फिर वन मंत्री का दायित्व संभाला। इसके बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में पहुंचे और केंद्र में भी स्वास्थ्य मंत्री रहे। सीधे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद नड्डा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा, जिसका नतीजा यह रहा कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से सुशोभित कर दिया है। इससे हिमाचल प्रदेश में खुशी की लहर है। उनकी नियुक्ति से हिमाचल का नाम एक बार फिर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

पटना से शिमला तक छात्र राजनीति का अनुभव

हिमाचल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान वह छात्र राजनीति में एक्टिव रहे और फिर भाजपा में एंट्री ली। वह तीन बार भाजपा के टिकट पर हिमाचल विधानसभा पहुंचे। 1993-98, 1998 से 2003 और फिर 2007 से 2012 तक वह विधायक रहे। यही नहीं 1994 से 1998 तक वह प्रदेश की विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता भी रहे।

1991 से ही हैं पीएम मोदी के करीबी

जेपी नड्डा को पीएम नरेंद्र मोदी के करीबी लोगों में से एक माना जाता है। इसकी वजह शायद यह भी है कि 1991 में जिस दौर में जेपी नड्डा युवा मोर्चा की कमान संभाल रहे थे, तब पीएम मोदी पार्टी के महासचिव थे। माना जाता है कि दोनों नेताओं के बीच तभी से घनिष्ठता है।

यूपी में कमाल के बाद और बढ़ा कद

जेपी नड्डा के कद में तब अप्रत्याशित इजाफा हुआ, जब उन्होंने 2019 में राजनीतिक तौर पर बेहद महत्त्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में 62 लोकसभा सीटें पार्टी को दिलाई। वह सूबे में चुनावी रणनीति का जिम्मा संभाल रहे थे, जहां 2014 में भाजपा को अकेले दम पर 71 सीटें मिली थीं।

राष्ट्रीय राजनीति

2010 में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी की टीम के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए केंद्रीय कार्यालय प्रभारी व अनेक राज्यों के प्रभारी व चुनाव प्रभारी रहे।
2012 में हिमाचल से राज्यसभा सांसद निर्वाचित

2013 में राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में फिर महामंत्री

2014 में केंद्रीय चुनाव प्रबंध समिति के सदस्य और अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की सर्वोच्च समिति संसदीय दल के सचिव सदस्य एवं राष्ट्रीय महामंत्री चुने

स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार की जिम्मेदारी भी संभाली

संगठनात्मक कार्य की दृष्टि से उन्होंने कई राज्यों के प्रभारी व चुनाव प्रभारी के रूप में कार्य किया। इसके जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना,बिहार, छत्तीसगढ़, केरल व उत्तर प्रदेश।

हर मोर्चे पर आगे

1975 के जय प्रकाश नारायण आंदोलन में अहम भूमिका निभाई
1983 में हिमाचल विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष
वर्ष 1984 में एबीवीपी के संगठन मंत्री
1985-89 तक दिल्ली में परिषद के संगठन मंत्री
1989 में एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री
1990 में भाजपा में संगठन मंत्री
1991 में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष
1993 में बिलासपुर से विधायक, नेता प्रतिपक्ष बने
1998 में फिर विधायक चुने और स्वास्थ्य मंत्री बने
2007 में तीसरी बार एमएलए और वन एवं पर्यावरण मंत्री बने

पुष्पांजली टुडे पत्रिका को जन-जन तक पहुंचाना है

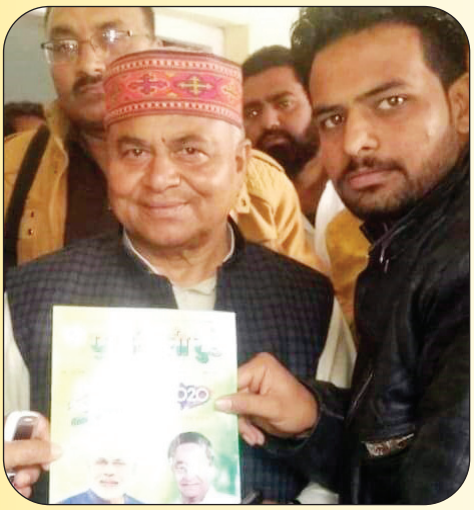

कैबिनेट मंत्री डॉ. गोविंद सिंह को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

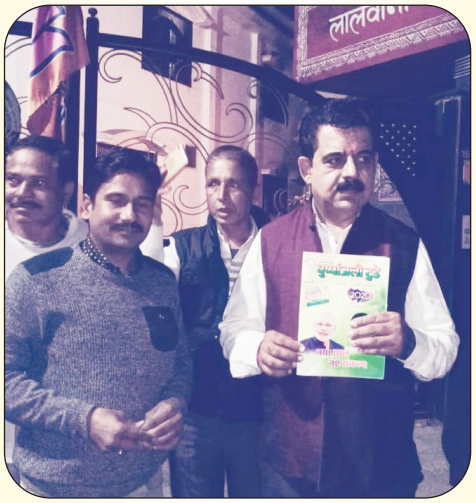

इंदौर सांसद शंकर लालवानी
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

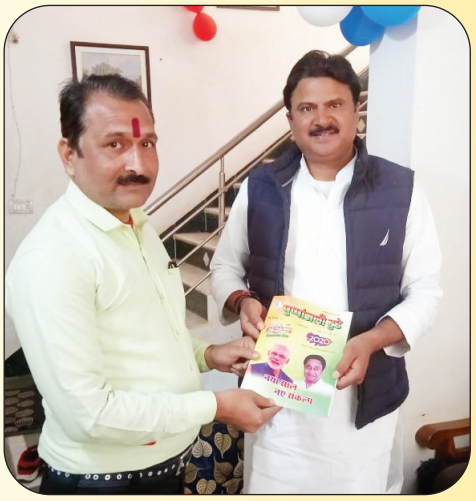

भिण्ड विधायक संजीव सिंह कुशवाह को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

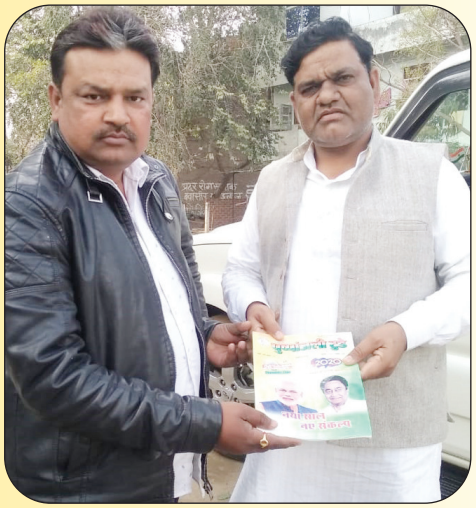

अम्बाह विधायक कमलेश जाटव को
को पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए

एडीजीपी एवं चंबल आईजी देवप्रकाश गुप्ता जी को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए

भिण्ड कलेक्टर छोटे सिंह जी को पुष्पांजली टुडे
पत्रिका भेंट करते हुए

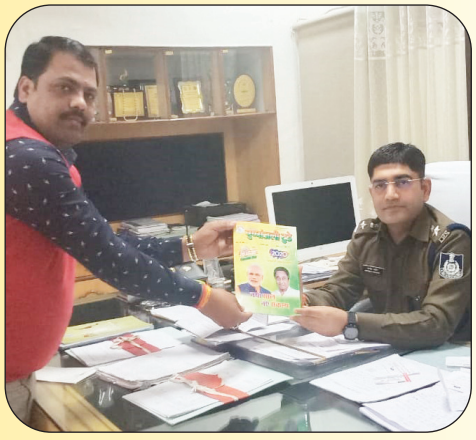

ग्वालियर पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन जो को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए

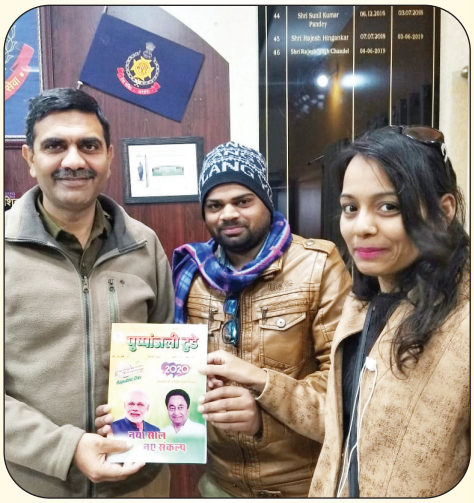

शिवपुरी एसपी राजेश चंदेल को पुष्पांजली टुडे
पत्रिका भेंट करते हुए

एडीशनल एसपी मुरैना आशुतोष बागरी को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए

पुष्पांजली टुडे पत्रिका को जन-जन तक पहुंचाना है

मेला उपाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

शैलेन्द्र सिंह कुशवाह देहात कोतवाली निरीक्षक को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

नया गांव थाना प्रभारी सुरेश शर्मा को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

महिला थाना प्रभारी गीता भदौरिया को पुष्पांजली टुडे
पत्रिका भेंट करते हुए।

बीजेपी पार्षद गुड्डू तोमर को पुष्पांजली टुडे
पत्रिका भेंट करते हुए।

परमाल सिंह मेहरा एसडीओपी गोहद को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

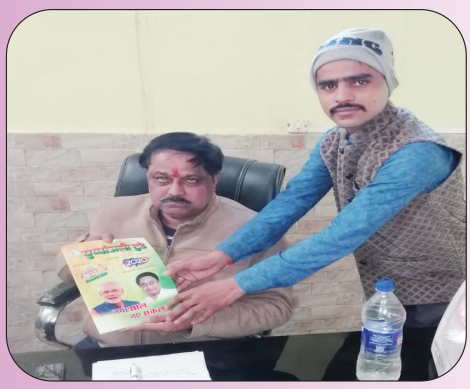

मुख्य नगर पालिका अधिकारी पोरसा को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

लाल टिपारा गौशाला पर गुरुजी को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

रमेश प्रसाद शर्मा शा.मा.शाला प्रभारी को
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

सुधार सिंह बघेल तहसीलदार मझगांव को
पुष्पांजली पत्रिका भेंट करते हुए।

शिवपुरी जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका शर्मा को
पुष्पांजली पत्रिका भेंट करते हुए।

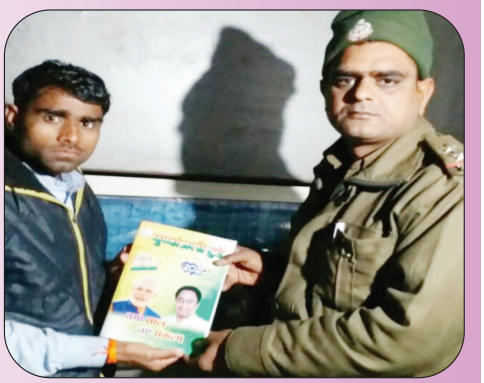

गोले का मंदिर ट्रैफिक थाना एसआई प्रमोद कुमार साहू
पुष्पांजली टुडे पत्रिका भेंट करते हुए।

मध्यप्रदेश को मातृ वंदना योजना में मिले राष्ट्रीय पुरस्कार

(रजनी तोमर)। मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में उल्लेखनीय कार्य के लिये 3 श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। केन्द्रीय महिला.बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रदेश की महिला.बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी को ये पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में आयुक्त महिला.बाल विकास श्री नरेशपाल कुमार ने विभाग की उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव महिला.बाल विकास अनुपम राजन और इंदौर कलेक्टर लोकेश जाटव उपस्थित थे।

बेटियाँ दो परिवारों का मान बढ़ाती हैं : मंत्री इमरती देवी

महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि बेटियाँ परिवार की शान होती हैं। वे एक नहीं, दो परिवारों का मान बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के स्थान पर अब नारा बेटी-पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओ होना चाहिये। श्रीमती इमरती देवी ग्वालियर में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों का सम्मान

बालिका दिवस पर आयोजित बिटिया सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थीं। मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि बेटियों ने आज हर क्षेत्र में अपनी योग्यता के दम पर परचम लहराया है। आज बेटियाँ न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि देश का नाम भी रौशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेटियों को आगे बढ़ाने के लिये अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने बेटियों से कहा कि वे दृढ़ इच्छा-शक्ति के साथ आगे बढ़ें और अपना तथा अपने परिवार का नाम रौशन करें। मंत्री ने कहा कि महिला-बाल विकास विभाग द्वारा 24 से 30 जनवरी तक राष्ट्रीय बालिका सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ हस्ताक्षर अभियान, सामूहिक शपथ, प्रभात-फेरी, आँगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर दस्तक, पंचायत एवं सार्वजनिक भवनों पर स्टीकर एवं पोस्टर लगाकर सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

मध्यप्रदेश 822 खिलाड़ियों का बीमा कराने वाला पहला राज्यः खेलमंत्री पटवारी

राज्य स्तरीय गुरूनानक देवजी प्रांतीय ओलम्पिक खेल का रंगारंग शुभारंभ

भोपाल। राजस्व और परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत की उदघोषणा के साथ टी.टी. नगर स्टेडियम में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय गुरूनानक देवजी प्रांतीय ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री जीतू पटवारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरूण यादव तथा पद्मश्री ओलम्पियन तीरंदाज सुश्री दीपिका कुमारी ने इस मौके पर रंगीन गुब्बारे छोड़े। मल्लखम्ब खिलाड़ियों की शानदार प्रस्तुति के साथ ही प्रदेश के दस संभागों से आये खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। समारोह में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री जीतू पटवारी ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को खेलों में पर्याप्त अवसर दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की पहल पर प्रदेश में गुरूनानक देवजी प्रांतीय ओलम्पिक खेल की शुरूआत हुई है। राज्य सरकार ने वचन-पत्र में किए वायदे को पूरा किया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्रवार प्रत्येक विधायक को लोकप्रिय खेलों के विकास के लिए 5 लाख रूपये तक अनुदान की स्वीकृति के अधिकार दिये जाएंगे।

सामान्य ज्ञान

1.किस ओलिंपिक में आतंकी संगठन ब्लैक सेप्टेंबर ने इजरायली दल को निशाना बनाकर पहली बार खेल गांव में खूनी खेल खेला?
(क) टोकियो (1956)
(ख) रोम (1960)
(ग) मेक्सिको सिटी (1968)
(घ) म्यूनिख (1972)

2.सूर्य के सबसे निकट ग्रह का नाम क्या है?
(क) मंगल
(ख) पृथ्वी
(ग) बुध
(घ) शुक्र

3.निम्न में से कौनसा नाम किसी वाद्य का नहीं है?
(क) सितार
(ख) गिटार
(ग) घुंघरू
(घ) चित्रक

4.श्रीलंका किस दिन आजाद हुआ था?
(क) 4 फरवरी 1947
(ख) 4 फरवरी 1948
(ग) 4 फरवरी 1949
(घ) 4 फरवरी 1950

5.इनमें से कौनसा शहर नेपाल का नहीं है?
(क) मीरपुर
(ख) ललितपुर
(ग) विराट नगर
(घ) काठमांडू

6.मालदीव्ज की राजधानी है।
(क) फुवामुलाह
(ख) हिथाधू
(ग) माले
(घ) कुल्हूधुफुशी

7.चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी की तुलना में कितना है?
(क) 1/4
(ख) 1/6
(ग) 1/8
(घ) 1/10

8.यमुना इलाहाबाद के पास किस नदी से मिलती है?
(क) गोमती
(ख) चंबल
(ग) गंगा
(घ) रामगंगा

9.महावीर ने साधक जीवन के 4515 दिनों में से कितने दिन आहार ग्रहण किया?
(क) 349
(ख) 350
(ग) 351
(घ) 352

10.स्वतंत्र भारत के एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल, जिन्होंने 1959 में स्वतंत्र पार्टी की स्थापना भी की।
(क) वारेन हेस्टिंग्स
(ख) माउंट बेटन
(ग) लॉर्ड इर्विन
(घ) चक्रवर्ती राज गोपालाचारी

उत्तर

1 (घ)	2 (ग)	3 (घ)	4 (ख)	5 (क)
6 (ग)	7 (ख)	8 (ग)	9 (क)	10 (घ)

1.देश में लौह अयस्क का सबसे अधिक उत्पादन किस राज्य में होता है?
(क) ओडिशा
(ख) झारखंड
(ग) बिहार
(घ) मध्य प्रदेश

2.कोरिया स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना कब हुई?
(क) 27 जनवरी 2003
(ख) 27 जनवरी 2005
(ग) 27 जनवरी 2007
(घ) 27 जनवरी 2009

3.सवाई माधोपुर की खंडार तहसील के रामेश्वर धाम (पदरा गांव के निकट) में किन दो नदियों का संगम है?
(क) मेनाल व बनास
(ख) बेड़च व बनास
(ग) बनास व चंबल
(घ) काली सिंध व चंबल

4.इनमें से कौनसी पंचायत समिति भीलवाड़ा जिले में है?
(क) गोविंदगढ़
(ख) गिरवा
(ग) बिलाड़ा
(घ) हुरड़ा मांडल

5.इनमें से कौनसी फसल दलहन की है?
(क) बाजरा
(ख) मोठ
(ग) जीरा
(घ) प्याज

6.अमृता प्रीतम के उपन्यास 'पिंजर' की स्टोरी पर कौनसी हिंदी फिल्म बनाई गई?
(क) सत्या
(ख) तेवर
(ग) गैंग्स ऑफ वासेपुर
(घ) पिंजर

7.पृथ्वीराज विजय की रचना किसने की?
(क) जगजीवन भट्ट
(ख) कल्लोल
(ग) जयानक
(घ) केशवदास गाडण

8.कोमिला बैंकिंग कॉर्पोरेशन, हुगली बैंक, बंगाल सेंट्रल बैंक, कोमिला यूनियन बैंक के विलय से कौनसा बैंक बना था?
(क) यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
(ख) यूको बैंक
(ग) सिंडिकेट बैंक
(घ) ओरिएंटल बैंक

9.इनमें से कौनसा मेला आश्विन में भरता है?
(क) चौथ माता का मेला
(ख) दशहरा मेला (कोटा)
(ग) पर्यटन मरु मेला
(घ) बेणेश्वर मेला

10.राजस्थान की सबसे ऊंची झील कौनसी है?
(क) आनासागर झील
(ख) पुष्कर झील
(ग) नक्की झील
(घ) पिछोला झील

उत्तर

1 (क)	2 (ख)	3 (ग)	4 (घ)	5 (ख)
6 (घ)	7 (ग)	8 (क)	9 (ख)	10 (ग)

स्वच्छ सर्वेक्षण 2020
अम्बाह को स्वच्छ न 1 बनाना है

नगरपालिका परिषद अम्बाह

आमजन से अपील

- घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग अलग डस्टबिन में एकत्रित कर नगर पालिका द्वारा संचालित कचरा वाहनों में प्रथक - प्रथक कर डाले।
- कचरा सड़क व नालियों में न फेंककर कचरा दान में ही डाले।
- 2 अक्टूबर 2019 से देशभर में पॉलिथीन उपयोग प्रतिबंधित है पॉलीथिन का उपयोग न करें।
- खुले में शौच न करें, शौचालय का उपयोग करें
- जल का संरक्षण करे उसे व्यर्थ न बहाये एवं नालो में टोटियां लगाएं।
- ई-नगर पालिका मॉडयूल पर
- संपत्तिकर,जलकर,समेकितकर,प्रकाशकरको ऑनलाइन जमा करवाये।
- शासकीय भूमि सड़क पर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण न करें
- स्वस्थ वातावरण के लिये नगर में पौधारोपण करें।
- नगर पालिका के देय करो का नियत समय में भुगतान करें।
- नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

स्वच्छ रहेगा नगर अपना
स्वस्थ रहेगा परिवार अपना

रामनिवास शर्मा
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

निवेदक: समस्त कर्मचारीगण नगर परिषद अम्बाह ज़िला मुरैना (म.प्र.)

आपके द्वारा बनाई सरकार आज आपके द्वार पर: मंत्री गोविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी

भिण्ड। आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शासकीय श्रीगांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मछण्ड में प्रदेश के सहकारिता, सामान्य प्रशासन एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ गोविन्द सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम से मंत्री डॉ सिंह ने मुख्यमंत्री गौसेवा अन्तर्गत ग्राम पंचायत नौधा में नवनिर्मित गौशाला का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मंत्री डॉ सिंह ने 90 लाख से ज्यादा से निर्मित 6 सीसी रोड मय नाली निर्माण का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष महाराज सिंह कुशवाह, कलेक्टर छोटे सिंह, जिला पंचायत सीईओ आईएस ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य वकील सिंह यादव, जनपद अध्यक्ष रौन श्रीमती ऊषा गोपाल सिंह,एसडीएम लहार ओमनारायण सिंह, सीईओ विनीत त्रिपाठी सहित अन्य जिला अधिकारी, पार्टी प्रतिनिधि सहित भारी संख्या मे जनसामान्य उपस्थित थे। मंत्री डॉ सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में तीव्र गति से आमजन के कार्यो को गंभीरता से लेते हुए पूरे किये जा रहे है। मंत्री डॉ सिंह ने कहा, कि प्रदेश सरकार द्वारा अब तक 20 लाख से ज्यादा किसानों का फसल ऋण माफ किया है। शेष बचे पात्र किसानों का ऋण माफी की कार्यवाही जारी है। उन्होंने गेहूं खरीदी पंजीयन कार्य पर विशेष ध्यान देकर पूरी प्रक्रिया ठीक ढंग से बिना लापरवाही पूर्ण करने के निर्देश मंच से दिए। उन्होंने कहा कि किसान भाईयों का हित प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने फौती नामांतरण, बटवारा, ऋण पुस्तिका वितरण आदि कार्यो को विशेष ध्यान देकर समय से पूर्ण करने के निर्देश डुभी संबंधित अधिकारियों को दिए।

परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुये शिक्षक अपने कर्तव्यों से गायब नहीं रहः रेणू तिवारी

केशव पंडित जी

मुरैना। चम्बल संभाग की कमिश्नर श्रीमती रेणू तिवारी ने कहा है कि आगामी हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी परीक्षायें नजदीक है, परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुये शिक्षक अपने कर्तव्यों से गायब नहीं रहें। स्कूल में समय पर आयें, वे लगातार कक्षायें लेते रहे, अपनी कड़ी मेहनत और निष्ठा से विद्यार्थियों को पढ़ाये ताकि आपके स्कूल की रेंक बेहतर रहे। आप भी अपने बेहतर कार्य के लिये प्रशंसनीय रहे। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से हमें उन विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जो पढ़ाई में कमजोर है। उनकी वर्ष बेकार नहीं जाना चाहिये।चम्बल कमिश्नर श्रीमती तिवारी ने कहा कि मैं भी लगातार रेमीडियल मैराथन क्लास ले रही हूं। छात्रों के मुख्य विषय भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान, अग्रेंजी, हिन्दी और गणित है, इन सभी विषयों में मेहनत कराने की आवश्यकता है। परीक्षाओं का मात्र डेढ़ मात्र रहा है। जितनी मेहनत शिक्षक करेंगे उतनी ही, मेहनत विद्यार्थी करके अपनी परसेन्टेज की पोजीशन संभाल सकते है।कमिश्नर ने कहा कि मैं लगातार स्कूलों का भ्रमण कर रही हूं, मुझे स्कूल से शिक्षक व्याख्याता गायब नहीं मिलना चाहिये। अगर ऐसी स्थिति पाई जायेगी तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी। वे लगातार कक्षाओं को लेते रहे, निश्चित ही परीक्षाफल बेहतर रहेगा।

राजनीतिक दखल शिक्षा में बाधक

छत्तीसगढ़ ब्यूरो, रायपुर

हर शिक्षित को शिक्षा दो अज्ञानी को ज्ञान, शिक्षा से ही बन सकता है भारत देश महान। एक शिक्षित नागरिक ही परितंत्र लोकतंत्र का निर्माण कर सकता है ।

परितंत्र में शिक्षा अनिवार्य है शिक्षा से ही देश का भविष्य जुड़ा है। राजनीति शिक्षा में बाधक है। आजकल के राजनेता शिक्षा को एक खेल समझते हैं,कुछ लोग अच्छे स्कूलों और कालेजों में दाखिला लेने के लिए राजनीतिक दलों का सहारा लेते हैं ।पैसों के दम पर सब खेल खेले जा रहे हैं, राजनीतिक हस्तक्षेप शिक्षा क्षेत्र में खराब परिणामों के लिए निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण कारण है । अभी मध्यप्रदेश में सरपंच चुनाव होने वाले हैं ,सूत्रों के अनुसार फरवरी 2020 में सरपंच चुनाव होने की संभावना है ,अगर फरवरी में सरपंच चुनाव होते हैं तो, इसका दुष्परिणाम बच्चों के परीक्षा परिणाम पर अवश्य पड़ेगा । शिक्षक गण बच्चों को परीक्षा की तैयारी करवाएं या चुनाव की तैयारी करें ? चुनावी माहौल बच्चों के पढ़ाई के माहौल में सबसे बड़ा बाधक है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत जो कभी शिक्षा का केंद्र बिंदु था ,आज वह कहीं खो सा गया है । शिक्षा के हर एक क्षेत्र को राजनीतिक दखल ने प्रभावित कर रखा है ,आज जिस तीव्र गति से शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़ रही है उसी तीव्र गति से शिक्षा प्रदान करने वाले गुरुओं के आचरण में गिरावट आ रही है । आजकल शिक्षा के उच्च पद दुर्भाग्य बस उन लोगों को बांटे जा रहे हैं जो इस काबिल नहीं है ,इस दिशा में कभी बात नहीं की गई क्योंकि इसमें भी राजनीतिक दल ने अपनी भूमिका निभाई और इस मुद्दे को वहीं के वहीं दबा दिया गया। मध्य प्रदेश के एक जिला अधिकारी ने अपने दौरे के दौरान एक शिक्षक से स्कूल का नाम ब्लैक बोर्ड पर लिखने को कहा तो उसने ÷गवर्नमेंट मिडिल स्कूल÷ का नाम ही गलत लिख दिया जबकि उसी कक्षा के एक छात्र ने उसे सही लिखा । दूसरी ओर एक अध्यापिका से मिडिल की स्पेलिंग पूछी तो उसने हाथ जोड़ दिये। राजनीतिक पक्ष शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की बातें तो अक्सर करते हैं ,पर कोई कदम नहीं उठाते हैं ।इन घटनाओं को देखते हुए नीति आयोग की तरह शिक्षा आयोग बनाना चाहिए और शिक्षा का क्षेत्र राजनीतिक की बजाय योग्य विद्वानों और समाज शास्त्रियों को सौंपना चाहिए। यदि नीति निर्माण के कार्य से राजनेता दूर रहें तभी शिक्षा और ज्ञान को केवल नौकरी पाने का माध्यम बनाने की वजह चरित्र निर्माण का माध्यम बनाए जाने पर विचार किया जाना संभव है।

ग्वालियर पुलिस द्वारा ज़िले में 'बेटी की पेटी' अभियान शुरु

रजनी तोमर

ग्वालियर पुलिस द्वारा ज़िले में 'बेटी की पेटी' अभियान शुरु किया हैं जिसमें सभी स्कूल, कॉलेज व बाज़ारों में बेटी की पेटी लगाई जा रही हैं। इसमें महिलाएँ व बच्चियाँ बिना नाम व नंबर के अपनी परेशानी लिखकर डाल सकती है। इन शिकायतों पर पुलिस एक्शन लेगी छात्राओं की सुरक्षा के लिए

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा बनाए गए मोबाइल एप और मध्यप्रदेश पुलिस-नागरिक पोर्टल एप के पोस्टर का विमोचन करते पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन और एएसपी क्राइम पंकज पाण्डे।

शिक्षण संस्थानों में ग्वालियर पुलिस ने 'बेटी की पेटी' लगाई गई हैं, जो पिंक कलर की हैं यह पेटी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को संबंधित थाना प्रभारी इस पेटी को खोलेंगे जिसमें महिलाएं और बच्चियां अफसरों को सीधे अपनी समस्याएं बता सकेंगी। इनमें वे छेड़छाड़, बाल विवाह आदि परेशानियों से संबंधित शिकायत लिखकर डाल सकती हैं। यह अभियान ग्वालियर पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है जिसके अंतर्गत कन्या स्कूल, छात्रावास, कॉलेज आदि में पेटियां लगाई जा रही हैं जिसमें बिना किसी डर से बालिकाएं अपनी शिकायत डाल सकेंगी। पहले चरण में पुलिस विभाग ने जिले के सभी थानों व सहायता केंद्रों में पेटी लगवाने की व्यवस्था की जा रही है यदि अभियान सफल रहा तो यह योजना गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी। आंगनवाड़ी केंद्रों में भी यह पेटी लगाई जाएगी। बेटियों की सुरक्षा के लिए ग्वालियर पुलिस ने 40 ऐसे पॉइंट पर बेटी की बेटी लगाई, जहां स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान हैं। इन पेटियों में छात्रा, युवतियां अपनी शिकायत बिना नाम और पहचान बताए लिखकर डाल सकती हैं। पहली बार बेटी की पेटी खोली गई, लेकिन सिर्फ 2 शिकायत मिलीं। एक शिकायत कंपू और दूसरी शिकायत मुरार में मिली, जिसमें किसी छात्रा ने पान, गुटखे की गुमटियों पर इकठ्ठे होकर परेशान करने वाले मनचलों की शिकायत की गई। इसके पीछे कारण यह है कि पुलिस ने बेटी की पेटी जगह-जगह लगा तो दी लेकिन प्रचार-प्रसार न होने की वजह से छात्राओं को इस बारे में जानकारी ही नहीं है। ग्वालियर पुलिस ने 17 दिसंबर को बेटी की पेटी लगाने की शुरुआत की। 18 दिसंबर तक शहर के 40 पॉइंट पर बेटी की पेटी लगा दी गई। बेटी की पेटी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के पास ही लगाई गई। इसकी वजह थी कि यहां पढ़ने आने वाली छात्राओं को अक्सर मनचले परेशान करते हैं। स्कूल, कॉलेज और कोचिंग के आसपास मनचले खड़े रहते हैं। इसके साथ ही छात्राओं को और भी कोई परेशानी हो, जिसकी जानकारी वह सीधे न देना चाहें तो इस पेटी में एक पर्ची पर लिखकर डाल दें। इसके बाद सप्ताह में एक दिन यह पेटी खोलकर पुलिस शिकायत पर एक्शन लेती। पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन ने कहा कि बेटी की पेटी का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों में स्टाफ जाकर इसके बारे में बताएगा। बैनर-पोस्टर भी लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों को पता लग सके।

मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर सौजन्य भेंट में किया आग्रह

मध्यप्रदेश राज्य सिलाई कला बोर्ड बंद न हो

पुष्पा शर्मा रिर्पोटर

भोपाल। भोपाल स्थित राज्यभवन पहुँचकर मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल माननीय लालजी टण्डन को पुष्प गुच्छ भेटकर सौजन्य भेंट की व आग्रह किया की सम्पूर्ण दर्ज़ी समाज व सिलाई का काम करने वाली सातों समाज के हित मे मध्यप्रदेश राज्य सिलाई कला बोर्ड बंद न हो,क्योकि तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी की शिवराज सरकार द्वारा 26 अक्टूम्बर 2013 को सम्पूर्ण दर्ज़ी समाज व सिलाई का कार्य करने वाले हर वर्ग के विकास के लिए,उनके कल्याण के लिए मध्यप्रदेश राज्य सिलाई कला मण्डल का गठन किया व 30 जनवरी 2018 को एक अध्यक्ष सुनील माहेश्वरी अधिवक्ता,एक उपाध्यक्ष राजेन्द्र नामदेव जो 19 दिन बाद राज्य शासन द्वारा एक प्रकरण में हटा दिए गए व तीन सदस्य रामेश्वर

नामदेव,आर.ड़ी,नामदेव,श्रीमती चंद्रकांती नामदेव की पूरे भारत बर्ष में प्रथम सिलाई कला बोर्ड में नियुक्ति की। हमने सर्व दर्ज़ी समाज के कल्याण के लिए बोर्ड की बैठक में अनेको प्रस्ताव कर शासन को भेजे मगर 12 दिसम्बर को भाजपा करकर चली गई परिणाम स्वरूप कांग्रेस की कमल नाथ सरकार द्वारा 19 दिसम्बर 2018 को सभी निगम मण्डल भंग कर दिए,सिलाई कला बोर्ड भी भंग कर दिया गया।मेरे द्वारा मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ व विधानसभा अध्यक्ष माननीय नर्मदा प्रसाद प्रजापति पत्र देकर समाज जनो के साथ भंग पड़े सिलाई कला बोर्ड को बंद न कर,दर्ज़ी समाज के हित मे शीघ्र नियुक्ति का आग्रह भी किया गया था मुझे आश्वासन भी मिला माननीय विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति जी से की सुनील जी हम मुख्यमंत्री जी से आग्रह कर आपकी दर्ज़ी समाज के हित मे सिलाई कला बोर्ड बंद नही करने का आग्रह करेंगे। मेरे साथ मे पीपा वंशिय क्षत्रिय दर्ज़ी समाज से मुकेश सोलंकी,गुजराती दर्ज़ी समाज से प्रीति डाबी,जय माहेश्वरी,दीपक सोलंकी उपस्थित रहे एवम मंदसौर से समाजसेवी व भाजपा नेता सन्तोष शर्मा,मुरैना से समाजसेविका व भाजपा नेत्री डॉक्टर मनु शर्मा,इछावर से भाजपा नेता चंद्रपाल सिंह दरवार,भोपाल से भाजपा पिछड़ा वर्ग की महिला नेत्री सीमा सिंह जी चौहान,पुष्पा जी यादव आदि के साथ राष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों एवम कानून व्यवस्था पर महामहिम राज्यपाल महोदय जी से विस्तृत चर्चा की।

कल्याणकारी देवी हैं माँ काली

राजीव डोगरा
(युवा कवि और लेखक)
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मां काली कल्याणकारी ना की विनाशकारी माँ काली कल्याणकारी देवी है न की विनाशकारी है,महाकाली के संबंध में बहुत सारी भ्रांतियां फैली हुई है। बहुत सारे लोग मां काली के स्वरूप को देखकर ही घबरा जाते हैं पर वास्तव में मां काली का स्वरूप जितना भयंकर है मां का दिल उतना ही सौम्य है। वास्तव में मां काली दुर्गा माँ का ही रूप है बस फर्क इतना है कि जब मां क्रोध में आते हैं तो वह महाकाली का स्वरूप धारण कर लेती है। महाकाली सिर्फ पापियों के लिए राक्षसों के लिए भयंकर है मगर अपने भक्तों और बच्चों के लिए वह सदा ही सौम्य रही है महाकाली जब भी किसी पर कृपा करती है तो उसका जीवन स्वर्गमय ही बन जाता है मगर जब भी वह पापियों की तरफ अपनी नज़र करती है उनका जीवन नर्क से भी कठोर बन जाता है।काली को माता जगदम्बा की महामाया कहा गया है।माता कालिका 10 महाविद्याओं में से एक हैं। और 10 महाविद्या में सबसे ऊपर और मुख्य नाम महाकाली का ही आता है। माता काली के चार रूप हैं- 1.दक्षिण काली 2.श्मशान काली 3.मातृ काली 4.महाकाली इनमें से दक्षिण काली की पूजा सबसे ज्यादा की जाती है जिनको दक्षिणेश्वरी

काली कहा जाता है जिनका मंदिर कोलकाता में है इन्हें दक्षिण की दुर्गा भी कहा जाता है। जो भी भक्त सच्चे मन से मां काली की आराधना करता है उसको जीवन में सुख समृद्धि,विद्या मिलती है और अंत में उसे मुक्ति मिलती है। मां काली का स्वरूप देखने में अत्यंत भंयकारी है उनके एक हाथ में खप्पर है दूसरे हाथ में खड्ग हैं। एक हाथ मैं राक्षस की मुंडी है तो दूसरा हाथ भक्तों को अभय प्रदान करता है। महाकाली के साथ चौसठ योगिनी और 90 भैरव सदा ही नृत्य करते हुए साथ चलते हैं और साथ ही राक्षसों के वध के समय भी मां काली का साथ देते हैं।माँ काली की पूजा-उपासना से सदैव भय खत्म होता है।इनकी अर्चना से रोगों से मुक्ति मिलती है। राहु और केतु की शांति के लिए मां काली की उपासना अचूक है। मां अपने भक्तों की रक्षा करके उनके शत्रुओं का नाश करती हैं। महाकाली की उपासना बहुत सारे लोग दो रूपों में करती हैं एक सौम्य और दूसरा उग्र। सौम्या रूप में मां की पूजा मैं किसी प्रकार की बलि नहीं दी जाती मगर उग्र पूजा में बहुत सारे लोग मां काली को बलि भी देते हैं मगर जहां तक मेरा अनुभव है मां काली किसी भी जीव की बलि नहीं लेती क्योंकि वास्तव में सारा जगत उसका ही है हर जीव जंतु उसी के ही हैं इसलिए कोई भी मां अपने बच्चों की बलि नहीं लेती है।गुप्त नवरात्रि में माँ काली की विशेष पूजा आराधना की जाती हैं।माँ काली ऋद्धि- सिद्धि प्रदान करने वाली देवी हैं। मां कालरात्रि भी महाकाली का ही एक स्वरुप है। अंत में मैं यही कहूंगा मां काली के भंयकारी रूप से कभी भी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि घबराते वही है जो पापी होते हैं मगर जो दिल के साफ होते हैं उनका मां काली सदा ही कल्याण करती हैं उनके जीवन में शुभता लेकर आते हैं इसीलिए इनको शुभंकरी भी कहते हैं।

आस्था ने बना दिया महात्मा का मंदिर

प्रदीप राजावत, ब्यूरो भिण्ड

अनवरत साधना से एक साधारण व्यक्ति कैसे देवता बन जाता है इसका उदाहरण जिला भिण्ड मुख्यालय से 17 किलोमीटर दूर ग्राम रजपुरा मैं स्थित स्वामी केशवानंद का भव्य मंदिर है मंदिर में किसी हिंदू देवी देवता की प्रतिमा नहीं बल्कि अंचल में एक्शन केसवानंद की प्रतिमा प्रतिष्ठित है प्रतिवर्ष शिवरात्रि पर मंदिर में स्थापित इस प्रतिमा पर हजारों की तादात में कांवड़ियों द्वारा गंगाजल अर्पित करते हैं।

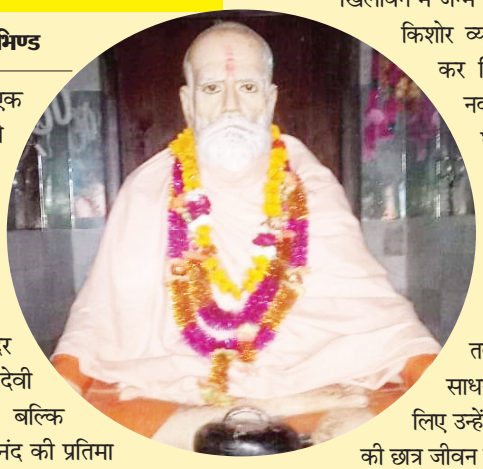

कौन थे संत केस्वानंद स्वामी: केशवानंद लोधी राजपूत समाज के साधारण परिवार में ग्राम झरिया खिलावन में जन्मे थे उनकी इच्छा के विरुद्ध किशोर व्यवस्था में उनका विवाह कर दिया गया पर नव बंधु नववधू को विदा कराकर घर लाने से पहले ही वे सन्यासी हो गए और फिर कभी जन्मभूमि नहीं आए उन्होंने संत विरजानंद बेवर से दीक्षित होकर कई दशक तक गंगा के तटों पर साधना की समाज सुधार के लिए उन्हें कार्य किए विदेश यात्राएं की छात्र जीवन में केसवानंद का सानिध्य प्राप्त कर चुके शिक्षक भंवर सिंह नरवरिया बताते हैं कि स्वामी केशवानंद मैं विलक्षण देव दृष्टि थी मंदिर का निर्माण 1980 में कराया गया था।

कहा जाता है दूध और गंगाजल

108 फुट ऊंचे मंदिर के बीचों-बीच स्वामी जी की संगमरमर की दूधिया रंग की सफेद मूर्ति स्थापित है जिस पर हर हर्ष कांवरियों द्वारा गंगाजल और दूध दही से अभिषेक होता है और शिवरात्रि के दिन लगभग 1500 से अधिक कावरे स्वामी जी की मूर्ति पर चढ़ाई जाती है लेकिन कांवरियों द्वारा चढ़ाया गया दूध दही और गंगाजल कभी कमर से नीचे नहीं जाता आखिर गंगाजल जाता कहां है यह बात रहस्यमई बनी हुई है।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत ग्वालियर में निकाली गई विशाल रैली

खाद्य पदार्थों के साथ-साथ अपने विचारों और आचरण को भी शुद्ध रखना होगा: सिंधिया

अरविंद सिंह नरवरिया, उपसंपादक

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरूद्ध प्रदेशभर में चलाए जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत एक विशाल रैली का आयोजन कर लोगों में मिलावट के विरूद्ध जन जागृति लाने का कार्य किया गया। रैली को पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केवल खाद्य पदार्थों में ही मिलावट का विरोध नहीं करना है बल्कि अपने विचारों और आचरण को भी शुद्ध बनाने के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होना है। तभी हमारा प्रदेश और देश उन्नति की ओर और तेजी से बढ़ेगा। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत ग्वालियर में निकाली गई विशाल रैली रैली में प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तुलसीराम सिलावट, पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री लाखन सिंह यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर, मध्यप्रदेश कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अशोक सिंह, पद्मश्री सुश्री उमा तुली, पूर्व मंत्री भगवानसिंह यादव, जीवाजी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ संगीता शुक्ला, जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष मोहन सिंह राठौर, संभागीय आयुक्त एमबी ओझा, कलेक्टर अनुराग चौधरी, पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन, नगरनिगम आयुक्त संदीप माकिन, सीईओ जिला पंचायत शिवम वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने रैली में भागीदारी की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरूद्ध प्रदेश में ÷शुद्ध के लिए युद्ध÷ अभियान के तहत ग्वालियर में निकाली गई विशाल रैली अभियान चलाया जा रहा है। यह सरकार का ऐतिहासिक और जनहित का बड़ा निर्णय है। इस अभियान को जन.जन का अभियान बनाना होगा। हम सबको मिलावट करने वालों को जड़ से मिटाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा। मिलावट के साथ.साथ अन्य प्रकार की अशुद्धताओं के विरूद्ध सबको पूरी ताकत के साथ खड़ा होना चाहिए। हमें अपने विचारों और आचरण को भी शुद्ध बनाकर रखना चाहिए। तभी हमारा प्रदेश और देश उन्नति के मार्ग पर और तेजी के साथ आगे बढ़ेगा।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी के रूप में विश्व मानचित्र पर उभरेगा: सिंधिया

मेरे पिता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया किले पर अभिताभ बच्चन की आवाज में लाईट एंड साउण्ड, चंदेरी में गर्म गैस का गुब्बारा, इतिहास का संग्रहालय है ग्वालियर। मैं इस मौके पर आपको बताना चाहता हूं तोमरवंश, मुगल सम्राट, मराठा सम्राट और आसपास की बात करें जाट सम्राट हरेक ने ग्वालियर में दस्तक दी है इसलिये ग्वालियर इन सभी का गुलदस्ता है। ग्वालियर किले में मानमंदिर, गुजरी महल, तैली का मंदिर (दक्षिण सभ्यता पर बना) सास बहू का मंदिर, गुरूद्वारा नीचे ग्वालियर में गोरखी महल, मोतीमहल, जयविलास पैलेस ओर उषाकिरण पैलेस जितनी पीढ़ियों की छाप ग्वालियर में हैं, इतना भी आसपास कहीं है यहां तक जयपुर और उदयपुर में नहीं है। हमारा पहला महल गोरखी और उसके बाद मोतीमहल के इस भवन में सिंधियावंश के लोग रहे है। यह उद्गार स्मार्ट सिटी के कमाण्ड सेंटर के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबोधित करते हुए कहा है कि जयविलास पैलेस बनने के बाद हम लोग जयविलास पैलेस रहने के लिये पहुंच गये और मोतीमहल को शासन के सुपुर्द कर दिया। कमाण्ड सेंटर के उद्घाटन

समारोह में स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट, खाद्यमंत्री प्रधुम्नसिंह तोमर, विधायक मुन्नालाल गोयल, प्रशासक एमबी ओझा, कलेक्टर अनुराग चौधरी, निगमायुक्त संदीप माकिन स्मार्ट सिटी सीईओ महीप तेजस्वी, पूर्व विधाक रमेश अग्रवाल, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, कमलेश कौरव आदि मंच पर मंचासीन थे।

जमकर तारीफ की जिला प्रशासन की

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कमाण्ड सेंटर के उद्घाटन समारोह के मौके पर इस खण्डर इमारत सजा जनता के लिये समर्पित कर दिया इसका इतिहास हमारे सामने दिखाई दे रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यही असली शिल्पकार तो यही है। संभागायुक्त एमबी ओझा, कलेक्टर अनुराग चौधरी, निगमायुक्त संदीप माकिन और स्मार्टसिटी सीईओ महीप तेजस्वी के सम्मान में उपस्थित दर्शकों ने जमकर तालियां बजवाई।

ग्वालियर तो हमारा नवरत्न है

जिस तरह से कमाण्ड सेंटर तैयार किया गया है संवारा गया है यह तो स्मार्ट सिटी का ग्वालियर का नवरत्न हैं। अब हमें इसकी साख को विश्वस्तर पर लाना है।

नवनियुक्त निगम प्रशासक एमबी ओझा ने किया पदभार ग्रहण

नगर निगम ग्वालियर के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त किए गए प्रशासक संभागीय आयुक्त एमबी ओझा ने निगम मुख्यालय में प्रशासक का पदभार ग्रहण किया। नगर निगम आयुक्त संदीप माकिन ने प्रशासक श्री ओझा को पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशासक श्री ओझा ने निगम अधिकारियों से चर्चा कर निगम की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

10वां राष्ट्रीय मतदाता दिवसः उल्लेखनीय कार्य करने पर कलेक्टर ने अधिकारियों कर्मचारियों को किया सम्मनित

ग्वालियर। दसवाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस ग्वालियर में भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता जागरूकता एवं मतदान प्रक्रिया में उल्लेखनीय कार्य करने पर एसडीएम श्रीमती जयति सिंह, अपर संचालक जनसंपर्क जीएस मौर्य, डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीपशिखा भगत, डिप्टी कलेक्टर संजीव खेमरिया, एसडीएम प्रदीप तोमर, एसडीएम अनिल बनवारिया, एसडीएम श्रीमती पुष्पा पुषाम, संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा योगेन्द्र सक्सेना, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री आरसी जाटव, जिला कोषालय अधिकारी अनिल सक्सेना, प्राचार्य राज्य स्तरीय लेखा प्रशिक्षण पीके श्रीवास्तव, कोषालय अधिकारी प्रमोद सक्सेना, जिला सूचना अधिकारी श्रीमती दीप्ति निगम, जिला खनिज अधिकारी गोविंद शर्मा, जिला ई.गवर्नेंस आशीष जैन को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

शासकीय विधालय परिसर में मनाया गया 10 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

मोहित गोस्वामी, दबोह

भारत सरकार के दिशा निर्देशन में 10 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस नगर दबोह के शासकीय विद्यालय में बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य व विशिष्ट अतिथि के रूप

में मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर मौजूद रहे।सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया गया तदोपरांत कार्यक्रम शुरू किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की बच्चियों द्वारा सुनाई गई सरस्वती वंदना से हुई।उसके बाद नायब तहसीलदार ने मतदाता दिवस पर बच्चो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है जिसे 18 वर्ष के होने के बाद हम मतदान का उपयोग कर सकते हैं उन्होंने कहा कि मतदान करने का मतलव सिर्फ वोट डालने नही है बल्कि इसका मतलब देश,शहर,नगर के उज्वल भविष्य के निर्माण के लिये एक सही व्यक्ति का चुनाव अपने एक मतदान से करना है इसलिए सभी लोग मतदान अवश्य किया करें।वहीं एन आर खेंगर ने कहा कि भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है।विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाने लगा था।इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश भर के सभी मतदान केंद्र वाले क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष उन सभी पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी जिनकी उम्र एक जनवरी को 18 वर्ष हो चुकी होगी इस सिलसिले में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए जाएंगे।राष्ट्रीय मतदाता दिवस का हर वर्ष आयोजन सभी भारत के नागरिकों को अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन लोगों यह भी बताता है कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना जरूरी है।भारत के प्रत्येक नागरिक का मतदान प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है। क्योंकि आम आदमी का एक वोट ही सरकारें बदल देता है।हम सबका एक वोट ही पल भर में एक अच्छा प्रतिनिधि भी चुन सकता है और एक बेकार प्रतिनिधि भी चुन सकता है इसलिए भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग सोच समझकर करना चाहिए और ऐसी सरकारें या प्रतिनिधि चुनने के लिए करना चाहिए जो कि देश को विकास और तरक्की के पथ पर ले जा सके।

दबोह को स्वच्छता में अब्बल है लाना तो स्वच्छता को अपनानाः खेंगर

नगर परिषद दबोह के द्वारा मतदाता राष्ट्रीय दिवस पर छात्र एबम छात्राओं की उपस्थिति में स्व्च्छता सर्वेक्षण लीग 2020 के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया।जिसमे मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने जनता से अपील करते हुए कहा कि नगर के सभी लोग स्वच्छता अभियान में सहयोग करें और नगर को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता की प्रथम श्रेणी में लाकर खड़ा करें उन्होंने अपने उद्बोधन में नगर दबोह के सभी निवासियों से कहा कि दबोह नगर का नाम प्रदेश की स्वच्छता की सूची में अग्रणी हो जिस से दबोह नगर का नाम प्रदेश में भी रोशन हो सके जिसके लिए हमे थोड़ा से प्रयास करना होगा।उन्होंने कहा कि सभी लोग अपना कचरा नगरपालिका की कचरा गाड़ी ने बने सूखे व गीले खचड़े बने बॉक्स में ही डालें और नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाने में नगर परिषद का सहयोग करें जिससे हमारा नगर स्व्च्छता सर्वेक्षण लीग 2020 में प्रदेश में अव्वल आ सके।

लहर तहसील के दबोह में बनेगा पहला मटेरियल रिकवरी सेंटर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण लीग 2020 को ध्यान में रखते हुए व नगर को साफ एवम स्वच्छ बनाये रखने के लिए नगर दबोह में मटेरियल रिकवरी सेंटर बनाया जाएगा जिसमे कचड़े को उपयोग में लाया जा सकेगा।साथ ही उन्होंने बताया कि लहार तहसील की चारो नगर पालिका में यह पहला दबोह नगर होगा जिसमे मटेरियल रिकबरी सेंटर बनेगा।वहीं उन्होंने बताया कि इसी क्रम में नगर में फीकल स्लज सेंटर भी स्थापित किया जाएगा जिसमे घरो से निकला हुआ गन्दा मलवा बिना टैंक के गड्ढे को खुलवाये मशीन के द्वारा तकनीकी दृष्टि से निकलेगा और फीकल स्लज सेंटर जाएगा जहां पर उसकी खाद बनेगी और नगर की जनता को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिलेगा।कार्यक्रम के अंत मे नगर परिषद के द्वारा छात्र छात्राओं को स्व्च्छता में भागीदारी करने के लिए व नगर को स्वच्छ बनाये रखने के लिए सूखे व गीले कचड़े के डस्टबिन वितरण किये गए।इस दौरान नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य,मुख्य नप अधिकारी एन आर खेंगर,पूर्व नप उपाध्यक्ष रफीक खान,इंजीनियर राजीव राव के साथ साथ विद्यालय स्टाफ,समस्त बीएलओ व समस्त नप स्टाफ मौजूद रहा।।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2020

अम्बाह को स्वच्छ न 1 बनाना है

नगरपालिका परिषद पोरसा

आमजन से अपील

- घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग अलग डस्टबिन में एकत्रित कर नगर पालिका द्वारा संचालित कचरा वाहनों में प्रथक - प्रथक कर डाले।
- कचरा सड़क व नालियों में न फेंककर कचरा दान में ही डाले।
- 2 अक्टूबर 2019 से देशभर में पॉलिथीन उपयोग प्रतिबंधित है पॉलीथिन का उपयोग न करें।
- खुले में शौच न करें, शौचालय का उपयोग करें
- जल का संरक्षण करे उसे व्यर्थ न बहाये एवं नालो में टोटियां लगाएं।
- ई-नगर पालिका मॉड्यूल पर
- संपत्तिकर,जलकर,समेकितकर,प्रकाशकरको ऑनलाइन जमा करवाये।
- शासकीय भूमि सड़क पर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण न करें
- स्वस्थ वातावरण के लिये नगर में पौधारोपण करें।
- नगर पालिका के देय करो का नियत समय में भुगतान करें।
- नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

स्वच्छ रहेगा नगर अपना
स्वस्थ रहेगा परिवार अपना

बालकिशन कौरव
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

निवेदकः समस्त कर्मचारीगण नगर परिषद पोरसा ज़िला मुरैना (म.प्र.)

गाय के लिये राम रोटी संग्रह कार्य के माध्यम से घर घर से कर रहे रोटी एकत्रित

अमित शर्मा की रिपोर्ट, ग्वालियर

युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों द्वारा राम रोटी संग्रह कार्य की मुहिम मध्य प्रदेश के ग्वालियर में वार्ड नम्बर 7 से चालू की गई है जिसका उद्देश्य है कि प्रत्येक घर से दो दो रोटी का संग्रह कर रोटीयो एकत्रित करना उसके बाद उन रोटियों को लावारिस गऊ माता एवम गौशाला तक भिजवा कर स्वयं गौ माता को खिलाना यह प्रयास काफी लंबे समय से युवा जनकल्याण सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष नागेंद्र सिंह सिकरवार के सहयोग एवम मार्गदर्शन के माध्यम द्वारा किया जा रहा है प्रत्येक दिन 2 से 3 घण्टे समय देते है युवा पढ़ाई के साथ-साथ युवाओं का सोचना है कि कही न कही हमारी पुरानी सभ्यता एवम पुराने रीति रिवाज कही न कही खत्म हो गए है जिसकी बजय से हम अपनी सभ्यता को खोते जा रहा है जहाँ पहली और अंतिम रोटी भी स्वयं खा रहे जिसकी बजय से बहार घूम रही आवारा गऊ माता एवम जानवरो को भोजन नही मिल पा रहा है जिसकी बजय से युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों ने इस मुहिम के माध्यम से फिर से लोगो के मन मे राम रोटी संग्रह कार्य के माध्यम से प्राचीन सभ्यता को जगाने का प्रयास किया जा रहा है

गौशला में गाय माता को रोटी खिलाते युवा, रोटी एकत्रित करते हुए

जहां पहले शुरूबात में 1 किलो रोटी मिला करती थी बही आज लगभग 60 किलो से ऊपर मिल रही है 125 से 150 घरों से इस महत्वपूर्ण कार्य मे जो प्रतिदिन कार्य मे काफी युवा साथ एवं सहयोग कर रहे है जो टीम के सदस्यों ने इस मोहिम को ग्वालियर ही बल्कि इस राम रोटी संग्रह कार्य को पूरे भारत वर्ष में शुरू का ठाना है जिसके माध्यम से गऊमाता की आज जो हमारे द्वारा दयनीय स्तिथि बना दी गई है उसमें सुधार लाने के उद्देश्य से इसकी शुरूबात की गई है। जिसमे से टीम के सदस्य प्रदीप सिकरवार, सतेंद्र राजावत, संतोष शर्मा, हेमन्त भदौरिया, सुरजीत राजावत, शिवम भदौरिया, आशु राजावत, राज तोमर, अनुज आर्य, शौरभ, मनीष, कुणाल चंदेरिया, रवि रायठौर यह वो सदस्य है जो प्रतिदिन अपना समय निकालकर निरंतर सेवा दे रहे है। साथ ही आमजन से भी कहना चाहता हूँ टीम के माध्यम से आप प्रत्येक दिन अगर दो दो रोटी निकालते है गाय माता जी लिये तो उनका हम कुछ हद तक पैट भर जाएगा।

सफलता: लूट के मामले का खुलासा कर आरोपी को किया गिरफ्तार

सुनील रजक

शिवपुरी। फरियादी मोहर सिंह पुत्र परमाल सिंह उम्र 32 साल निवासी ग्राम पगारा ने रिपोर्ट की, कि वह अपनी टीवीएस स्टार स्पोर्ट मोटरसाइकिल से अमरलाल पाल को रन्नौद छोड़कर अकेला वापस अपने घर जा रहा था, करीबन 07:15 बजे शाम को सिद्ध कलेश्वर घाटी के ऊपर मथना रोड पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने रोककर कट्टा अड़ाकर मेरी जेब से मोबाइल जिओनी कंपनी का एवं पर्स जिसमें 2000 रू रखे थे मय मोटरसाइकिल के लूट कर ले गए। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना रन्नौद में अपराध क्रमांक 100/18 धारा 392 भादवि एवं 11,13 एमपीडीपीके एक्ट के तहत कायम कर विवेचना में लिया गया।घटना में आरोपी रमेश पुत्र मंगल सिंह केवट निवासी हरिपुरा थाना कोलारस द्वारा कोलारस में एक दुकानदार के पास मोबाईल बेचने को दिखाया, संदेह होने पर दुकानदार ने समझदारी दिखाते हुए आधार कार्ड लिया जिससे नाम पता ज्ञात होने पर तत्काल थाना प्रभारी रन्नौद उनि. के. एन. शर्मा को सूचित किया जिस पर से थाना प्रभारी रन्नौद द्वारा पुलिस टीम के साथ उसके गांव जाकर तलाश किया तो आरोपी गांव छोड़कर लापता हो गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त घटना के आरोपी को पकड़ने हेतु एक टीम को गठन किया उक्त पुलिस टीम द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री गजेंद्र सिंह कंवर एवं एसडीओपी कोलारस श्री अमरनाथ वर्मा के निर्देशन में आरोपी की धरपकड़ की कार्यवाही शुरू की गई आज दिनांक 28.01.20 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी रमेश पुत्र मंगल सिंह केवट उम्र 35 साल निवासी हरीपुरा थाना कोलारस को दबोचकर पूछताछ की गई तो उसके द्वारा 1 साल 8 माह पूर्व की उक्त लूट की घटना का खुलासा करते हुए अपने एक साथी के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी रमेश केवट से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस तथा एक लूटा हुआ मोबाइल जिओनी कंपनी का कीमत 5000 रू का बरामद कर लिया है तथा उसके साथी की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

रिजर्व पुलिस लाइन एटा के परेड ग्राउण्ड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 71वॉ गणतंत्र दिवस

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी हुए सम्मानित

सोनू कुमार माथुर, ब्यूरो

जनपद एटा के पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड पर 71वें गणतंत्र दिवस के

उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि/जिलाधिकारी एटा श्री सुखलाल भारती द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तदोपरान्त राष्ट्रीय गान की धुन पर सामूहिक गान हुआ । उसके बाद समस्त टोलियों द्वारा मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि महोदय को सलामी दी गयी। वरिष्ठ पुलिस अक्षीक्षक एटा श्री सुनील कुमार सिंह द्वारा परेड को संविधान उल्लिखित संकल्प पढ़कर शपथ ग्रहण कराई गयी, एंव उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दी गयी। साथ ही समस्त पुलिस कर्मियों को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों का भलीभॉति निर्वहन करने हेतु कहा गया। मुख्य अतिथि/जिलाधिकारी एटा ने कहा कि लम्बे संघर्ष एवं अनेकों वीरों की कुर्बानियों के बाद हमारे देश को स्वतंत्रता मिली और 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ। देश की स्वतंत्रता को बनाये रखने के लिए हमें आपसी द्वेष, जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र की भावना को त्यागकर राष्ट्रीय एकता अखण्डता धर्म निरपेक्षता एवं सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करते हुए मिल जुलकर शान्ति, प्रेम, अमन चैन, भाईचारे के साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद में होने वाले आगामी चुनावों से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति का ये कर्तव्य है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे, इसके लिए जनपद स्तर पर राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके उपरान्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा जिलाधिकारी महोदय, एडीएम वित्त एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, तथा जिलाधिकारी एटा द्वारा जनपद में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में अपने अपने स्तर पर जनसेवा कर रहे संगठनों, विभिन्न संप्रदायों के धर्म गुरुओं, व्यापार मंडल, पत्रकार बंधुओं आदि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा वर्ष 2019 में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों, पेंशनर्स, समाजसेवी तथा पुलिस मित्रों को भी सम्मानित किया गया। इसी क्रम में गणतंत्र दिवस की परेड में प्रथम परेड कमाण्डर क्षेत्राधिकारी सकीट श्री रामनिवास, द्वितीय परेड कमाण्डर उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस सत्यवीर सिंह तथा तृतीय परेड कमाण्डर उपनिरीक्षक श्री विजय सिंह रहे। परेड मार्च पास्ट में *प्रथम स्थान पर पीएसी की टोली एंव द्वितीय स्थान पर संयुक्त रुप से दोनों महिला पुलिस की टोलियां रही तथा तृतीय स्थान संयुक्त रुप से एनसीसी व पुलिस कार्यालय की टोलियों को मिला।* उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जनपद एटा के स्कूली एंव डांस एकेडमी के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले स्कूलों के सभी बच्चों को भी पुरस्कार एंव प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। उक्त मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री संजय कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, अन्य पुलिसकर्मी एवं पुलिस कर्मियों के परिजन आदि उपस्थित रहे।

समाज के बीच में पुलिस की अच्छी छवि बनाने में कामयाब रहेः थाना प्रभारी यादव

रिपोर्टः रहीस खॉन ग्वालियर

नामः पप्पू यादव

पिताः श्री सुरेन्द्र सिंह यादव

माता- श्रीमती कृष्णा यादव

जीवन संगिनी- राधा यादव

बच्चेस- गगन यादव, नंदनी यादव

बैच- 2012-13

शिक्षा- एम एस सी, बी एड

म0प्र0 के ग्वालियर जिले के अंन्तार्गत आने वाले घाटीगांव थाना इन दिनों चर्चाओं में है उसका कारण है इस थाने में पदस्थ थाना प्रभारी पप्पू यादव की कार्यप्रणाल। विदित हो कि श्री यादव ने अपनी पूर्व पदस्थापनाओं के दौरान ग्वालियर जिले के

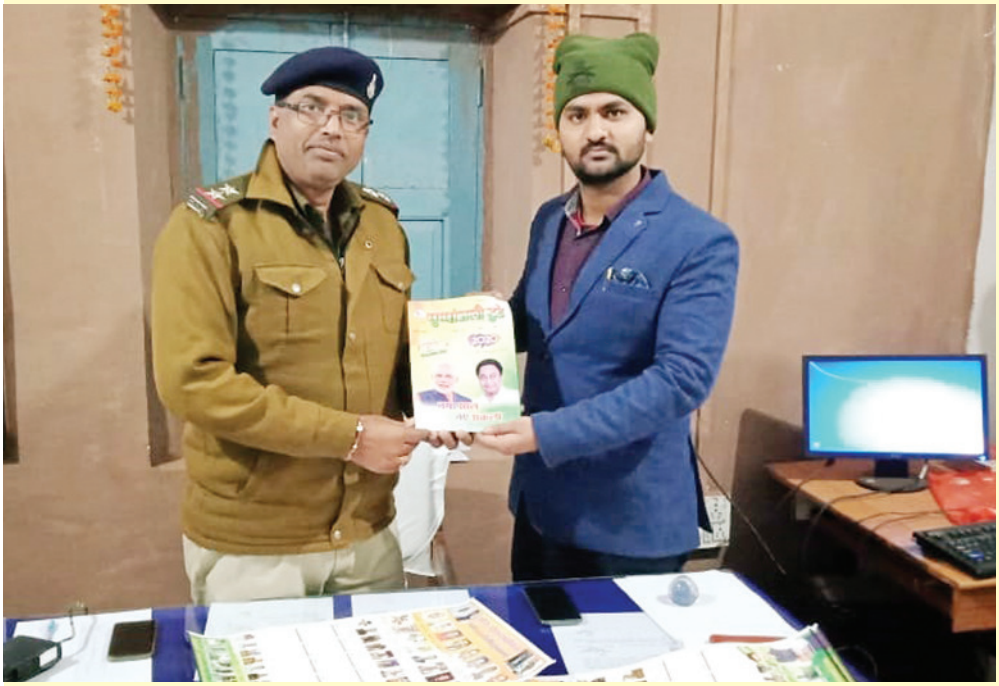

तमाम थानों में थाना प्रभारी के रूप में अपनी सेवाऐं दी है। और अपनी निर्भीक और निष्परक्ष कार्यप्रणाली के कारण पुलिस विभाग के ऊपर आम जनता भरोसा करे ऐसा वातावरण तैयार किया था कुछ महीनों से घाटीगांव थाने की कमान संभाल रहे है, इस दौरान श्री यादव ने कई उल्लेखनीय कार्य किये है। विदित हो अपराधों का खुलासा करने में श्री यादव बेहद काबिल ऑफिसर साबित हो रहे है। यहां इस बात का भी खुलासा करना जरूरी है कि पुलिस अधीक्षक ग्वलियर श्री नवनीत भसीन के हाथों श्री यादव अपनी कुशल पुलिसिंग के लिये पुरस्कृत हो चुके हैं। श्री यादव अपनी बेहतरीन कार्यप्रणाली के कारण जनता के मन में जगह बनाने में कामयाब हो अफसर साबित हो चुके है। हमारे क्राईम ब्यूरो रहीश खान ने एक मुलाकात की और विस्तृत चर्चा की।

अपराध कम हो और जनता को अपने आप को सुरक्षित महसूस करे इस हेतु आपके क्याा प्रयास होगे?

मैं घाटीगांव की आम जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि हमारी सारी पुलिस आम जनता के साथ खडी है। मेरे थाने क्षेत्र की जनता कभी भी अपने आपको असुरक्षित न समझे, रहा सवाल अपराध कम होने का तो मेरा और मेरी टीम का प्रयास है कि लगातार क्षेत्र की सर्चिंग हो, रात्रि गश्तर लगातार हो और अपराधों का त्वारित निराकरण हो।

जुआ, सट्टा और शराबखोरी पर अंकुश लगाने हेतु आपके क्यास प्रयास होगे?

मेरे क्षेत्र में ऐसी शिकायतें आपको कम ही मिलेगी,क्योंयकि ऐसे अपराधों पर में सख्ती के साथ कार्यवाही करने में भरोसा रखता हूं। जिस

तरह के अपराधों का जिक्र आप कर रहे है यह ऐसे अपराध है जिनसे समाज खोखला होता है। इसीलिए ऐसे अपराधों पर त्वारित कार्यवाही मेरे द्वारा की जाती है और आगे भी जारी रहेगी।

राजनीतिक प्रभाव पुलिस पर हमेशा बना रहता है और इस कारण कई विवेचनाऐं प्रभावित होती है इस विषय पर आप क्यार कहना चाहेगें?

देखिए आपका कहना सही है लेकिन मेने कभी राजनैतिक दबाब महसूस नहीं किया है, राजनीतिक लोग भी कभी भी किसी अपराधी के लिये फोन करते हो ऐसा मेरे कार्यकाल में नहीं हुआ है। रहा आपका सवाल राजनीतिक प्रभाव के कारण विवेचनाऐं प्रभावित होने का तो आज कल हर शिकायत ऑनलाईन हो गई है। ऐसे में कोई भी विवेचनाऐं किसी कारणवश प्रभावित होती होगी ऐसा मुझे नहीं लगता।

आपके थाना क्षेत्र में लूट और चोरियों का ग्राफ कितना है?

देखिए ऐसे तत्वं हर जगह मौजूद मिलेगे, लेकिन मेरे थाना क्षेत्र में ऐसे अपराधियों पर त्वररित कार्यवाही की जाती है। बीते दिनों में भी कुछ लोगों ने ऐसा प्रयास किया जिन्हेंस मेरे द्वारा किया जिन्हें मेरे द्वारा तुरंत कार्यवाही की जाती है और अपराधियों को तुरंत सलाखो के पीछे डाला जाता है।

बढ़ने दो कदमों को हरदम !

बढ़ने दो कदमों को हरदम !
अपने पथ की पहचान कर !!
मंजिल हो हर वक्त हृदय में !
अपना सब कुछ मान कर !!

अनजानी राहो के राही !
हर मुश्किल से खेल कर !!
चलते है दिन रात सफर में !
सारी विपता झेल कर !!

ऐसे कहाँ मिलते है मोती !
यू सागर की राह में !!
खुद जाना होता है हमको !
गहरे सागर अनजान में !!

लड़ना होता है लहरों से !
कठिन चुनौती जान कर !!
बार बार जाना होता है !
एक मोती की चाह में !!

तब जाकर मिलता है हमको !
मोती एक उपहार में !!

* डॉ एल एस किरार

लावणी छंद

दृढ़ संकल्प यदि मन ठानोगे ,तो मंजिल को पाओगे ।
पूर्ण सफलता पाओगे अरु ,हर दिल पर छा जाओगे ।

मन को विचलित मत करना तुम ,पथ में जो भी शूल मिलें ।
कठिन परिश्रम करो मनुज तो पत्थर में भी फूल खिले ।
ज्ञान चक्षु यदि खोल चलोगे ,फिर क्यों ठोकर खाओगे ।

पूर्ण सफलता पाओगे अरु ,हर दिल पर छा जाओगे ।

करत -करात अभ्यास जगत में ,जड़मति सभी सुजान हुए ।
लगन रहे गतिमान अगर पल,में पूरे अरमान हुए ।

कठिनताओं से यदि डरोगे ,कायर ही कहलाओगे ।
पूर्ण सफलता पाओगे अरु ,हर दिल पर छा जाओगे ।

तूफानों से मत डर जाना , रखो हौंसले जीने में ।
नाव चला लहरों के आगे ,सागर भर लो सीने में ।

बाधाओं को चीर जीत का ,परचम फिर लाहराओगे ।
पूर्ण सफलता पाओगे अरु ,हर दिल पर छा जाओगे ।

रीना गोयल (हरियाणा)
8529328522

ऋतुराज

आए है ऋतुराजनंदन,करो अभिनंदन
खिले खिले सब लगेंगे, होगा वन्दन।।

प्रकृति नित रसपान करेगी, नये नये चोला गढेगी
बढ जाएँगी सुन्दरता जब, यह परवान चढेगी ।।

नव सृजित फल आएँगे, सुन्दर बाग दिखेंगे
बच्चो की टोली होगी, कोयल की बोली सुनेंगे।

बसंत की हर बात निराली, झूमे मन मतवाली
पवन भी होती मस्त मौला खूब बहती प्यारी प्यारी।।

चहकते सब यार दोस्त,होने को मदहोश
बेताबी झलकती ऑखो में, देख सुन्दरता होते बेहोश।।

ऐसा मौसम चक्र है, भारत वासियो को नसीब
देख जलते रहते है, आस पडोस करीब करीब।।

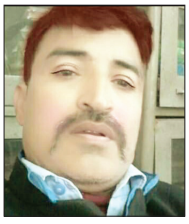

आशुतोष
पटना बिहार

32 सालों से आस्था का केन्द्र है बुलट बाबा का मंदिर, लोग करते आ रहे हैं मोटरबाइक की पूजा

एक ऐसा मंदिर जहां बुलट की, होती है पूजा

नैनाराम सिरवी, ब्यूरो

भारत देश जहां अपनी विविधताओं के लिए विश्वभर में मशहूर है, तो वहीं यहां देवी-देवताओं के साथ पेड़ों और जानवरों की पूजा-अराधना भी उतनी ही अधिक लोकप्रिय है। इसके बावजूद आपको जानकार हैरानी होगी कि देश के वीर भूमि के नाम से पहचाने जाने वाले राज्य राजस्थान में लोग मोटरबाइक की

पूजा भी करते हैं, जो अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं है। लेकिन ये सच है, प्रदेश के पाली स्थित ओम बन्ना मंदिर में एक मोटरसाइकिल की पूजा देवता की तरह की जाती है। यहां काले रंग की एक रॉयल एनफील्ड बुलेट जो फूलों की माला से लदी एक शीशे के बक्से में रखी गई, यहां उसकी पूजा-अराधना की जाती है। जिसके पीछे यहां के लोगों की आस्था के साथ कई विशेष तरह की मान्यताएं जुड़ी हुई है।

यह राजस्थान के प्रदेश के पाली जिले के चोटिला गांव में यह मंदिर स्थित है, जबकि जोधपुर से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग 65 को पार करते समय मंदिर मिलती है। जहां हर दिन सैकड़ों लोग शराब नहीं पीकर कर सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना करते ओम बन्ना के मंदिर में दिखाई पड़ते हैं। यहां पर ओम बन्ना की 350 सीसी रॉयल एनफ़ील्ड बुलेट जिसका नंबर 7773 है।

ओम बन्ना एक पवित्र दर्शनीय स्थान है । यहाँ लोग सफल यात्रा और मनोकामना मांगने दूर दूर से आते हैं यहाँ ये एक बुलेट के रूप में पूजे जाते हैं ये मंदिर पूरी दुनिया का अनोखा और एक मात्र बुलेट मंदिर है । इसके पीछे की कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है। बात साल 1988 की है, जब यहां के शक्तिशाली राजपूत परिवार से नाता रखने वाले ओम सिंह राठैर (ओम बन्ना) ससुराल से होकर अपने गांव चोटिला आ रहे थे, तभी उस स्थान पर उनकी बाइक एक पेड़ से टकरा गई और मौके पर ही ओम बन्ना की मौत हो गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची रोहट पुलिस ने उनकी बाइक को थाने ले गई। लेकिन अगली सुबह का हादसा सबको चौंकाने वाला निकला। जब पुलिस को उनकी गाड़ी थाना में नहीं मिलकर हादसे वाली जगह पर मिली। जिसके बाद समझा गया कि किसी ने ऐसा जानबूझकर किया है, इसलिए पुलिस ने उनकी गाड़ी को थाने लाकर चैन से बांध दिया। लेकिन फिर से वहीं घटना हुई, बाइक की चैन टूटी पड़ी थी और बाइक अपने मालिक की दुर्घटना वाले जगह पर खड़ी मिली। जिसके बाद से यह विषय लोगों में कौतुहल बन गया। जिसके बाद गांव के लोगों ने फैसला लिया और बाइक को घटना वाले स्थान पर ले जाकर रख दिया। और इसके बाद से ही इस स्थान को दैविक स्थान मानकर लोग पूजा-अराधना करने लगे।

ओम बन्ना का पूरा नाम ओम सिंह राठौड है ये चोटिला ठिकाने के ठाकुर जोग सिंह जी के पुत्र थे राजपूतो में युवाओ को बन्ना।कहा जाता है इसी वजह से ओम सिंह राठौड़ सभी में ओम बन्ना के रूप में प्रसिद्ध हुए ।

सबसे खास बात कि जिस जगह पर ओम बन्ना की मौत सकड़ हादसे में हुई थी, और फिर उसके बाद से लोगों ने उनकी बाइक रॉयल एनफ़ील्ड बुलेट को उस स्थान पर रख दिया, उसके बाद से यहां कोई सड़क हादसा दुबारा नहीं हुआ। जिसे लोग ओम बन्ना और इस मंदिर का चमत्कार मानते हैं, और अपनी भक्ति भाव से अराधना करते हैं। इस मंदिर में एक पुजारी भी है, जो कि हर दिन मंदिर में पूजा-पाठ की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हैं। तो वहीं इस घटना के बाद से मंदिर पूरे इलाके में बुलेट बाबा के नाम से मशहूर हो गया। इतना ही नहीं अब यहां लोग काफी संख्या में दोक लगाते आते हैं, जबकि ऐसा कहा जाता है कि जो भी रोहट थाने में बतौर नए थानेदार बनकर आते हैं वो भी ओम बन्ना की मंदिर में धोक लगाने जरुर आते हैं। ओम बन्ना देवल पर आने वाले अधिकांश श्रद्धालु मन्नत मांगने या मन्नत पूरी होने की बात करते है। सूरज, नागौर क्षेत्र, मध्य प्रदेश से आए श्रद्धालुओं से बात करने पर उन्होंने ओम बन्ना देवल आने के बाद उनकी इच्छा पूरी होने की बात की। कई लोग अपने मित्रों व विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में ओम बन्ना के बारे में पढक़र देवल पर मत्था टेकने की बात कही। ओम बन्ना देवल पर आने वाले श्रद्धालुओं से बातचीत में एक ही बात सामने आई कि ओम बन्ना उनकी इच्छा पूरी करते है। यहां ओम बन्ना के मंदिर के बाहर उनकी शादी की तस्वीरें भी लगी हुई है, जबकि यहां के लोगों के बीच वो किसी भगवान से कम नहीं हैं।

एक ऐसा अस्पताल जहां बरसती है सत्य साईं की कृपा

आर. एन. शर्मा, कार्यकारी संपादक

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मात्र 1238 किलोमीटर दूरी पर है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को नया जीवन देने वाला देश का एकमात्र अस्पताल सत्य साईं हॉस्पिटल है। श्री सत्य साईं राम ने क्षेत्र में कठिन रोगों से संघर्ष कर रहे लोगों की पीड़ा को देखा तो उन्होंने प्रशांति ग्राम में सत्य साईं इंस्टिट्यूट की स्थापना की। इस चिकित्सालय में मुख्यतः कार्डियोलॉजी ,न्यूरोलॉजी, ऑर्थोलॉजी आदि रोगों से संबंधित समस्त इलाज किए जाते हैं । यह अस्पताल मुख्यतः हृदय से संबंधित इलाज करता

है। इस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इलाज किया जाता है । यहां जिन बच्चों के दिल में छेद होते हैं उनका सफल इलाज होता है यहां प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों का इलाज किया जाता है यह अस्पताल 300 से अधिक बिस्तर का है या अस्पताल श्री सत्य साईं बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा संचालित है इस ट्रस्ट की स्थापना सन 1972 को की गई इस अस्पताल की न्यूज़ 22 नवंबर सन 1991 को रखी गई इस अस्पताल द्वारा अभी तक लगभग तीन मिलियन मरीजों को देखा जा चुका है और 215971 से अधिक ऑपरेशन सफल हो चुके हैं।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

इस अस्पताल में दो प्रकार से रजिस्ट्रेशन होता है।

ऑफ लाइन

जिसमें मरीज को सुबह 5.00 बजे से अस्पताल पहुँचकर पंक्ति में खड़ा होकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। एक बात का ख्याल रखे कि इससे पहले जिस डॉक्टर को आपने दिखाया है,उसकी समस्त रिपोर्ट साथ अवश्य लाये ।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

enquirypg@sssihms. org.in पर मरीज से संबंधित समस्त दस्तावेज जैसे - मेडिकल रिपोर्ट ,एक्स-रे आदि इस मेल पर भेजने पड़ते हैं । एक पेज पर सामान्य जानकारी मरीज का नाम ,माता पिता का नाम व जन्म दिनांक वर्ग पुरुष या स्त्री ,वर्तमान पता पिन कोड सहित ,मोबाइल नंबर मेल आईडी एवं क्या बीमारी है यह सभी जानकारी पीडीएफ फाइल में करके मेल करनी होती है। मेल करने के चार-पांच दिन में आपको एक मेल आएगा जिसमें आपको तारीख व समय बता दिया जाएगा कि मरीज को कब दिखाना है। एक बात का ध्यान रहे मरीज के साथ किसी ना किसी को जाना अनिवार्य है चाहे मरीज उम्र में बड़ा हो या छोटा ।

साथ में ले जाने वाले कागज - मरीज व साथ मे जानेवाले व्यक्ति को आधार कार्ड साथ में ले जाना अनिवार्य है ।

कैसे पहुंचें

नई दिल्ली से कर्नाटक एक्सप्रेस और हजरत निजामुद्दीन से बेंगलुरु राजधानी जाती है । नई दिल्ली से आगरा, ग्वालियर, झांसी और भोपाल होते हुए सत्य साईं प्रशांति निलामय स्टेशन तक के लिए आपको टिकट कराना होगा या फिर इससे पहले धर्मावरम स्टेशन पड़ता है उसका भी आप टिकट कटा सकते हैं। सत्य साईं प्रशांति निलामय रेलवे स्टेशन से सत्य साईं सुपर हॉस्पिटल के लिए आपको टैक्सी उपलब्ध हो जाती है जो आपको 10 से 15 मिनट में हॉस्पिटल पहुंचा देगी। धर्मावरम रेलवे स्टेशन से आपको टैक्सी के द्वारा बस स्टैंड जाना होगा धर्मावरम बस स्टैंड से आपको बस उपलब्ध हो जाएगी जो आप जो लगभग 1 घंटे का समय लेगी।

हॉस्पिटल पहुंचने में रुकने की व्यवस्था

सत्य साईं सुपर हॉस्पिटल के सामने बहुत से लॉज हैं जिनका किराया 24 घंटे का 60 से लेकर 1000 तक का है । लॉज के पास से ही सिलेंडर वह बर्तन किराए से उपलब्ध हो जाते हैं ।इस अस्पताल में प्रवेश करने के बाद मरीज का समस्त खर्चा ट्रस्ट उठाता है। यह अस्पताल पूरी तरह से कैशलेस है। आपका सिर्फ बाहर रहने व खाने का खर्चा ही लगेगा इस अस्पताल में एक भी कैश काउंटर नहीं है ।

अस्पताल का पूर्ण पता है

श्री सत्य साईं सुपर हॉस्पिटल प्रशांति ग्राम पुट्टपर्थी रोड जिला अनंतपुर ,आंध्र प्रदेश पिन- 51 51 34 कस्टमर नंबर है 085552 87256 और 08555 28182

कुछ महत्वपूर्ण जगहों से सत्य साई प्रशांति निलामय रेल्वे स्टेशन की दूरी है

1.नई दिल्ली से - 2241 किलोमीटर
2. भोपाल से - 1539 किलोमीटर
3. ग्वालियर से - 1928 किलोमीटर
4. रायपुर (छत्तीसगढ़) से - 1238 किलोमीटर

सत्य साई प्रशांति निलामय का रेल्वे स्टेशन कोड है - sspn अधिक जानकारी के लिए हमारी संस्था महाशक्ति युवक मंडल (एनजीओ) के राष्ट्रीय सचिव श्री आर.एन. शर्मा से फोन से संपर्क किया जा सकता है जिनका नंबर है 7587192361

बागलीखेड़ा स्कूल (जिला सीहोर) की ओर से
सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की

रामविलास
प्रभारी

संजय तिवारी
शिक्षक

हार्दिक शुभकामनाएं

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री निर्भय सिंह
विद्यालय प्रभारी छापरी
ग्राम सुआपानी, जिला सीहोर (म.प्र.)

ग्राम पंचायत छापरी (जिला सीहोर) आंगनबाड़ी की ओर से
सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की

रामा तिवारी
कार्यकर्ता

कृष्णा बाई
सहायका

हार्दिक शुभकामनाएं

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

हरिओम मशराम
विद्यालय प्रभारी-शा.प्रा.शाला गादलिया
ग्राम पंचायत छापरी, जिला सीहोर (म.प्र.)

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती राजकोषीय लड़ाकू
शासकीय हाई स्कूल
नयापुरा, जिला सीहोर म.प्र.

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

महेन्द्र सिंह जाट
डायरेक्टर-जेताजी वर्ल्ड एकेडमी
नसरुल्लागंज, जिला सीहोर (म.प्र.)

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

शिशिर दास
थाना प्रभारी
नसरुल्लागंज, सीहोर (म.प्र.)

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त स्टाफ
शासकीय प्राथमिक शाला झिरनियां,
जिला सीहोर (म.प्र.)

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम सिंह ठाकुर
मण्डल अध्यक्ष-लाड़कुई
जिला सीहोर (म.प्र.)

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त स्टाफ
शासकीय हाई स्कूल गुरलपुरा
जिला सीहोर (म.प्र.)

भोपाल में 21 मार्च, इंदौर में 27 एवं 29 मार्च को होगा आईफा अवार्ड

केवलराम मालवीय

प्रतिष्ठित इंटरनेशनल इंडियन फिल्म अकादमी अवार्ड -आईफा का इक्कीसवाँ आयोजन पहली बार मुंबई के बाहर मध्यप्रदेश में आयोजित हो रहा है । आईफा अवॉर्ड का रंगारंग आयोजन एक दिन भोपाल और दो दिन इंदौर में होगा। आज यहाँ मिंटो हाल में मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की उपस्थिति में सुप्रसिद्ध फिल्म कलाकार श्री सलमान खान और सुश्री जैकलीन फर्नांडिस ने आयोजन के करटेन रेजर कार्यक्रम में आईफा अवार्ड के आयोजन तारीखों की घोषणा की। भोपाल के मिंटो हॉल में 21 मार्च को और इंदौर में 27 एवं 29 मार्च को इसका आयोजन होगा। संगीत, मनोरंजन और फिल्म निर्माण की विभिन्न विधाओं के समागम से जुड़े आईफा अवार्ड के आयोजन को श्री सलमान खान के साथ श्री रितेश देशमुख, सुश्री जैकलिन और केटरिना कैफ होस्ट करेंगे। आईफा अवॉर्ड आयोजन युवाओं को समर्पित मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने आईफा अवॉर्ड मध्यप्रदेश आने की कहानी साझा करते हुए बताया कि अवॉर्ड के आयोजकों ने सही समय पर सही चुनाव किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बर्फ और समुद्र नहीं है लेकिन इससे बढ़कर यहाँ हेरिटेज, हरियाली, नेशनल पार्क और सबसे महत्वपूर्ण मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय सरल और मेहनती लोग हैं। हमारा प्रदेश आदिवासी बहुल है, इनसे हमारे प्रदेश की पहचान है। इस आयोजन से उनका मान बढ़ा है। श्री कमल नाथ ने आईफा अवॉर्ड के आयोजन को युवाओं को समर्पित किया और पहला टिकट खरीदा। उन्होंने कहा कि आईफा का आयोजन एक आर्थिक गतिविधि है। मध्यप्रदेश की प्रोफाइल बदलना मुख्य उद्देश्य है। मध्यप्रदेश की तुलना सबसे उत्कृष्ट राज्यों और मध्यप्रदेश के शहरों की तुलना अन्य विकसित शहरों से की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री युवाओं की तरह काम करते हैं

सुप्रसिद्ध अभिनेता श्री सलमान खान ने मध्यप्रदेश और विशेष रूप से इंदौर से जुड़ी बचपन की यादों को ताजा किया । उन्होंने ऐसी स्मृतियाँ दोहराई जिससे मध्यप्रदेश के लोग अनजान थे। उन्होंने चुटीले अंदाज में बताया कि वे मुंबई में गर्भ में आए और इंदौर की धरती पर जन्म लिया। उन्होंने यह भी कहा कि वे जो कुछ भी हैं मध्यप्रदेश में बचपन में मिली तालीम की बदौलत हैं। सलमान खान ने मध्यप्रदेश से अपने भावनात्मक रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि छह पीढ़ियों से मध्यप्रदेश से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता इंदौर से मुम्बई चले गए थे और मुम्बई में नाम कमाने के बाद भी इंदौर से गहरे जुड़े रहे। श्री सलमान खान ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ को सबसे युवा मुख्यमंत्री कहना उचित होगा क्योंकि वे युवाओं की तरह काम करते हैं। पर्यटन मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल, छिंदवाड़ा सांसद श्री नकुल नाथ, मुख्य सचिव श्री एस.आर. मोहन्ती को आईफा ट्राफी की प्रतिकृति भेंट की गई। इस मौके पर जनसंपर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, संस्कृति मंत्री डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ, वित्त मंत्री श्री तरुण भनोत, ऊर्जा मंत्री श्री प्रियव्रत सिंह एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री फैज अहमद किदवई ने आभार व्यक्त किया।

इंडिया टेलेंट फाइट में ग्वालियर की मुस्कान ने मारी बाजी

अर्पित गुप्ता की रिपोर्ट

ग्वालियर। यूँ तो देश मे प्रतिभाओ की कमी नही है पर हो न हो मध्यप्रदेश भी इन सब से दूर नही है जी हां हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर की जहां पर रहने वाली मुस्कान सिंह ने इंडिया टेलेंट फाइट में बाजी मारी और विजेता चुनी गई।दरअसल इंडिया टेलेंट फाइट मॉडलिंग,डांसिंग व सिंगिंग शो था जिसमे मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर से मुस्कान ने बाजी मारी।मजे की बात तो यह है कि इस इंडिया टेलेंट फाइट कार्यक्रम में सभो राज्यो से लगभग 70 से 100 लड़कियों ने हिस्सा लिया था।जिसमे 09 लड़कियों का चयन हुआ और मप्र के ग्वालियर से मुस्कान सिंह भी उन्ही में से एक हैं।मुस्कान ने बताया कि उनका चयन मॉडलिंग को लेकर हुआ जजो के द्वारा उनकी मॉडलिंग को काफी सराहा गया।यहां बता दें कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जी,ईटीसी बॉलीवुड चैनलों पर भी हुआ था।कार्यक्रम का आयोजन उत्तराखंड में हुआ था।। मुस्कान से हुई अर्पित गुप्ता की खास बातचीत में मुस्कान ने बताया कि इससे पहले भी मुस्कान ने मिस ग्वालियर शो में हिस्सा लिया था जिसमे वह फर्स्ट रनरअप रह चुकी हैं इसी के साथ वह मिस ब्लेज्जा,मिस फेस ऑफ इंडिया मुम्बई,मिस जशन LNIPE,मिस भारतीय,मिस स्टेला,मिस इंडिया टेलेंट फाइट 2020 की फर्स्ट रनरअप भी रही हैं।।

माँ से मिलती है ताकत

ग्वालियर को एक अलग ही पहचान दिलाने वाली मुस्कान अभी कक्षा 12वीं में पढ़ती हैं मुस्कान ने बताया कि उनके पापा अब इस दुनिया मे नही है जिनकी कमी उन्हें अक्सर महसूस होती रहती है पर उन्हें उनकी मां से भी ताकत मिलती है क्यों कि मेरी माँ मेरा हर कदम पर साथ देती हैं जिससे मेरा हौशला बढ़ता है,मुस्कान कहती हैं कि कैरियर और पैशन अपनी अपनी जगह है मॉडलिंग मेरा पैशन है लेकिन यह कभी मेरी पढ़ाई के बीच नही आता।फिलहाल तो मुस्कान मॉडलिंग में कैरियर बनाना चाहती हैं।